राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण

रांची और पटना से एक साथ प्रकाशित

8

वर्ष 12 अकं :229 रांची (झारखंड) रविवार,01 जून 2025 पेज - 08 मूल्यः 2 RNI NO- JHAHIN/2013/54373

भारत में कोविड के मामले बढ़े, सरकार ने कहा- स्थिति पर नजर रखी जा रही है

शनिवार को स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा अपडेट के अनुसार 511 नए मामले दर्ज किए गए।

नई दिल्ली। भारत में कोविड-19 के बढ़ते मामलों ने लोगों में चिंता पैदा कर दी है। देश में कोविड के मामले बढ़कर 2,170 हो गए हैं। शनिवार को स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा अपडेट के अनुसार 511 नए मामले दर्ज किए गए। इस बीच, पिछले 24 घंटों में 255 मरीज को अस्पताल से छुट्टी मिली है। आंकड़ों के अनुसार, 1 जनवरी 2025 से अब तक विभिन्न राज्यों में मौतों की संख्या बढ़कर 22 हो गई है। 1,147 मामलों के साथ केरल सबसे अधिक प्रभावित राज्य है, इसके बाद महाराष्ट्र (424), दिल्ली (294) और गुजरात (223) का स्थान है।

सबसे अधिक मौतें महाराष्ट्र (7) में हुई हैं, उसके बाद केरल (5) और दिल्ली (2) का स्थान है।

1 जनवरी से अब तक ठीक हुए मामलों की कुल संख्या 1,170 है। केरल (72), दिल्ली (77) और महाराष्ट्र (34) में इस दिन सबसे ज्यादा मरीज ठीक हुए। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत स्थापित भारतीय एसएआरएस-

सीओवी-2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, एनबी 1.8.1 और एलएफ .7 - देश में जेएन.1 कोविड वैरिएंट पाए गए। इन वेरिएंट के कारण कोरोना का मामलों में बढ़ोतरी हो रही है। अब तक, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने दोनों वेरिएंट को चिंताजनक नहीं बताया है। इन प्रकारों से जुड़े सामान्य लक्षणों में बुखार, नाक बहना, गले में खराश, सिरदर्द, थकान और थकावट शामिल हैं। यद्यपि इन वेरिएंट में प्रतिरक्षा को चकमा देने की क्षमता हो सकती है, तथापि वर्तमान में ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है जो यह बताए कि वे दीर्घकालिक गंभीर संक्रमण का कारण बन सकते हैं।हाल ही में भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल ने देश को आश्वस्त किया कि चिंता की कोई बात नहीं है, क्योंकि संक्रमण गंभीर नहीं है।बहल ने यह भी आश्वासन दिया कि सरकार सक्रिय रूप से मामलों की निगरानी कर रही है। साथ ही, उन्होंने मामलों में वृद्धि की स्थिति में सतर्कता बढ़ाने और तैयार रहने की आवश्यकता पर बल दिया। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राष्ट्रीय राजधानी के सभी अस्पतालों को बेड, ऑक्सीजन, दवाओं और टीकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं।

भाजपा ने लुधियाना पश्चिम विस उपचुनाव के लिए जीवन गुप्ता को बनाया उम्मीदवार

एजेंसी

नई दिल्ली। लुधियाना पश्चिम विधानसभा उपचुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने जीवन गुप्ता को उम्मीदवार घोषित किया है। मतदान 19 जून को होगा और मतगणना तथा परिणामों की घोषणा 23 जून को होगी।उल्लेखनीय है कि आम आदमी पार्टी (आआपा) के हलका लुधियाना पश्चिम से विधायक गुरप्रीत गोगी बस्सी का जनवरी में देहांत हो गया था। जिसके बाद सीट खाली हो गई थी। इस सीट पर आआपा के संजीव अरोड़ा, कांग्रेस के भारत भूषण आशु, शिअद के परउपकार सिंह घुम्मण एवं भाजपा के जीवन गुप्ता के बीच दिलचस्प मुकाबला होगा।

बांग्लादेश जाएगा पश्चिम बंगाल भाजपा का प्रतिनिधिमंडल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल भारतीय जनता पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल शीघ्र ही बांग्लादेश जाएगा। यह दौरा उस हालिया घटना के संदर्भ में किया जा रहा है जिसमें बांग्लादेश के यशोर जिले के एक गांव में हिंदू मतुआ समुदाय पर कथित रूप से हमला, लूटपाट और आगजनी की गई। इस संवेदनशील स्थिति का जायजा लेने और पीड़ितों के हालात समझने के लिए भाजपा ने यह निर्णय लिया है।भाजपा नेता और पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार शाम कोलकाता में संवाददाताओं को बताया कि पार्टी की ओर से एक प्रतिनिधिमंडल बांग्लादेश के डहमर्सियाहाटी गांव में अल्पसंख्यक हिंदू मतुआ समुदाय पर हमलों की पड़ताल के लिए मौके पर जाकर स्थिति का प्रत्यक्ष अवलोकन करेगा। उन्होंने बताया कि इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व बनगांव दक्षिण विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक स्वप्न मजूमदार करेंगे। प्रतिनिधिमंडल पेट्रोपोल-बेनापोल सीमा के रास्ते स्थल मार्ग से बांग्लादेश प्रवेश करेगा और यशोर जिले के प्रभावित क्षेत्रों में जाकर स्थानीय लोगों से बातचीत करेगा। जमीनी हालात का जायजा लेकर प्रतिनिधिमंडल पूरी स्थिति की रिपोर्ट पार्टी और संबंधी संस्थाओं को देगा।

कर्नाटक में बरसात के दौरान घर ढहा, दो की मौत, दो को बचा लिया गया, रेल लाइन में पेड़ गिरने से परिचालन प्रभावित

बेंगलुरु (कर्नाटक)। कर्नाटक का कुछ हिस्सा इस समय तेज बरसात और भूस्खलन की चपेट में है। इस दौरान पेड़ भी गिर रहे है। इससे आवागमन प्रभावित हो रहा है। इस बीच दक्षिण कन्नड़ जिले में भूस्खलन के कारण मकान ढहने से दो लोगों की मौत हो गई। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) ने अग्निशमन विभाग, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) और अधिकारियों के साथ मिलकर संयुक्त बचाव अभियान चलाया। बचाव अभियान के दौरान दो लोगों को बचा लिया गया। एनडीआरएफ ने एक्स पोस्ट पर कहा कि एक महिला और एक छोटे लड़के को सफलतापूर्वक बचा लिया गया और उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, मलबे से निकाले गए दो अन्य लोगों को घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया। एनडीआरएफ ने कहा कि क्षेत्र में भारी बारिश के बाद यह हादसा हुआ। इस बीच, राज्य के कुछ हिस्सों में भारी बारिश के मद्देनजर सरकार ने आपातकालीन तैयारियों का दायरा बढ़ा दिया है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि पिछले 125 वर्ष में पहली बार राज्य में मई महीने में सबसे अधिक वर्षा हुई गई है। उन्होंने बताया कि 28 जिलों में सामान्य से अधिक बारिश हुई है। सिद्धारमैया ने सभी जिलों के उपायुक्तों और जिला पंचायतों के सीईओ के साथ समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे बारिश प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर तुरंत मुआवजे का एलान करें। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने लोगों को आश्वासन दिया कि ऐसी स्थितियों से निपटने के लिए सभी आवश्यक उपाय किए गए हैं। शिवकुमार ने कहा कि कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु भी संवेदनशील है।राजधानी के संवेदनशील और बाढ़-ग्रस्त क्षेत्रों की पहचान कर ली गई है।

मैं अपना सबकुछ ईश्वर पर छोड़ चुकी हूं - ममता कुलकर्णी

मुंबई । अभिनेत्री ममता कुलकर्णी जल्द ही श्री कल्किधाम में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगी। अभिनेत्री ने समाचार एजेंसी से बात की। उनका मानना है कि ईश्वर हर किसी को एक प्रयोजन के साथ धरती पर भेजते हैं। उन्होंने कहा, जगत जननी ने मुझे पुण्य कर्मों के लिए भेजा है। ममता कुलकर्णी ने बताया, मेरा मानना है कि ईश्वर हम लोगों को एक खास प्रयोजन के साथ दुनिया में भेजते हैं और मेरा जन्म भी खास प्रयोजन या इसी तरह के पुण्य कर्मों के लिए हुआ है। कल्कि धाम जाने के लिए उत्साहित ममता कुलकर्णी ने कहा कि जगत जननी ने मुझे इसी काम के लिए भेजा है। वे पहले महाकुंभ में स्नान करने गई थीं। लेकिन, वे वहां से महामंडलेश्वर बनकर लौटीं। अभिनेत्री ने कहा, मैं प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ मेला में स्नान करने गई थी। लेकिन, वहां से महामंडलेश्वर बनकर लौटी। यह समझना मुश्किल है कि भगवान किस उद्देश्य से और कहां जाने का आदेश देते हैं। मैं इसे भगवान की इच्छा पर छोड़ देती हूं, यह विश्वास रखते हुए कि श्री कल्किधाम की यात्रा और शिला दान का कार्य भी भगवती की इच्छा या किसी विशेष प्रयोजन से प्रेरित है। यह आध्यात्मिकता और भगवान के प्रति समर्पण को दिखाता है।

'सिंदूर' भारत के शौर्य का प्रतीक : मोदी

हमें भी समाज और देश की सेवा के लिए समर्पित रहना चाहिए : पीएम मोदी

एजेंसी

भोपाल । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि सिंदूर हमारी परंपरा में नारी शक्ति का प्रतीक है, रामभक्त हनुमान भी सिंदूर का ही धारण करते हैं। यह हमारे शौर्य का प्रतीक है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के जंबूरी मैदान में आयोजित महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में महिलाओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहलगाम के हमले का जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा, ÷पहलगाम में आतंकियों ने सिर्फ भारतीय खून नहीं बहाया, उन्होंने हमारी संस्कृति पर भी प्रहार किया है। उन्होंने हमारे समाज को बांटने की कोशिश की। आतंकवादियों ने भारत की नारी की शक्ति को चुनौती दी है, यही चुनौती आतंकवादियों और उनके आकाओं के लिए काल बन गई है। ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खिलाफ भारत के इतिहास का सबसे बड़ा और सफल ऑपरेशन है, हमारी सेना ने आतंकियों के ठिकानों को मिट्टी मिला दिया, सैकड़ों किलोमीटर दूर घुसकर मिट्टी मिला दिया। ऑपरेशन सिंदूर ने डंके की चोट पर कह दिया है कि

देवी अहिल्याबाई का नाम सुनकर ही मन में उमड़ पड़ता है श्रद्धा का भाव, लोकमाता ने महिलाओं और गरीबों को बनाया सशक्त : प्रधानमंत्री

आतंकवाद के जरिए छद्म युद्ध, प्रॉक्सी वार नहीं चलेगा। अब घर में घुसकर भी मारेंगे और जो आतंक की मदद करेगा, उसको भी इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। पीएम मोदी ने आगे कहा, देश के 140 करोड़ लोग कह रहे हैं कि अगर तुम गोली चलाओगे, तो गोला से जवाब दिया जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर हमारी नारी शक्ति के समर्थन का प्रतीक रहा है। भारत संस्कृति और संस्कारों का देश है। सिंदूर हमारी परंपरा में नारी शक्ति का प्रतीक है, रामभक्ति के रंग में रंगे हनुमान जी भी सिंदूर को ही धारण किए हुए हैं। शक्ति पूजा में हम सिंदूर का अर्पण करते हैं और यही सिंदूर अब भारत के शौर्य का प्रतीक बना है। देवी अहिल्या बाई का स्मरण करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ये मेरा सौभाग्य है कि जिस काशी में लोकमाता अहिल्याबाई ने विकास के इतने काम किए, उस काशी ने मुझे भी सेवा का अवसर दिया है। आज अगर आप काशी विश्वनाथ महादेव के दर्शन करने जाएंगे, तो वहां आपको देवी अहिल्याबाई की मूर्ति भी मिलेगी। देवी अहिल्याबाई भारत की विरासत की बहुत बड़ी संरक्षक थीं। जब देश की संस्कृति पर, हमारे मंदिरों, हमारे तीर्थ स्थलों पर हमले हो रहे थे, तब लोकमाता ने उन्हें संरक्षित करने का बीड़ा उठाया। उन्होंने काशी विश्वनाथ सहित पूरे देश में हमारे अनेकों मंदिरों का, हमारे तीर्थों का पुनर्निर्माण किया। अहिल्या बाई के कार्यों को याद करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर का नाम सुनते ही मन में श्रद्धा का भाव उमड़ पड़ता है। उनके महान व्यक्तित्व के बारे में बोलने के लिए शब्द कम पड़ जाते हैं। देवी अहिल्याबाई प्रतीक हैं कि जब इच्छाशक्ति होती है, दृढ़ प्रतिज्ञा होती है, तो परिस्थितियां कितनी ही विपरीत क्यों न हों, परिणाम लाकर दिखाया जा सकता है। 250-300 साल पहले जब देश गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था, उस समय ऐसे महान कार्य कर जाना कि आने वाली अनेक पीढ़ियां उसकी चर्चा करें, ये कहना तो आसान है, करना आसान नहीं था।

नड्डा के जयपुर पहुंचने पर किया गया भव्य स्वागत

एजेंसी

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा अपनी राजस्थान यात्रा के तहत शनिवार दोपहर राजधानी जयपुर पहुंचे जहां मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं उनके मंत्रिमंडल के कई साथ और पार्टी के कई नेताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। श्री शर्मा एवं भाजपा के अन्य नेताओं द्वारा श्री नड्डा का हवाई अड्डे पर भारी भरकम माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, पार्टी प्रदेश प्रभारी डा राधा मोहन अग्रवाल, उपमुख्यमंत्री डा प्रेम चंद बैरवा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद सी पी जोशी सहित पार्टी अन्य कई नेता मौजूद थे।श्री नड्डा जयपुर में आज कई कार्यक्रमों में भाग लेंगे जिनमें वह एमएनआईटी में विवेकानंद लैक्चर थियेटर कॉम्पलैक्स में स्वामी विवेकानंद की मूर्ति पर माल्यार्पण एवं वृक्षारोपण करेंगे। इसके बाद राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में अहिल्याबाई होलकर जयंती पर राजकीय कार्यक्रम में भाग लेंगे।

इसके बाद वह जवाहर सर्किल से खुली जीप में एंटरटेनमेंट पेराडाइज पहुंचेंगे। इस मौके श्री शर्मा उनके साथ मौजूद रहेंगे। रास्ते में

मानव श्रृंखला बनाकर हाथो में तिरंगा लेकर उनका स्वागत किया जायेगा। श्री नड्डा एंटरटेनमेंट पेराडाइज में अहिल्या बाई होलकर की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके पश्चात वह शाम 6.20 बजे मुख्यमंत्री आवास पहुंचेंगे जहां चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक होगी।

भारत ने हमेशा पाकिस्तान के साथ समस्याओं को सुलझाने की पहल की : जावेद अख्तर

मुझे नहीं लगता कि निकट भविष्य में राजनीतिक रूप से स्थिति बेहतर होगी।'

एजेंसी

मुंबई । पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए गीतकार और पटकथा लेखक जावेद अख्तर ने कहा कि भारत ने हमेशा अपने पड़ोसी देशों के साथ अपने रिश्ते को बेहतर बनाने की पहल की। लेकिन, पड़ोसी देश ने ऐसा कभी नहीं किया।जावेद अख्तर अपनी पत्नी शबाना आजमी के साथ मुंबई के अंधेरी पश्चिम इलाके में आयोजित एक पुस्तक विमोचन समारोह में शामिल हुए, जहां उन्होंने यह बात कही। कार्यक्रम में पहुंचे जावेद अख्तर ने कहा, भारत ने हमेशा पाकिस्तान के साथ रिश्ते बेहतर बनाने के लिए प्रयास किए हैं। हमने पाकिस्तान और उसके कलाकारों के साथ सांस्कृतिक चैनल खोले। लेकिन, आप एक हाथ से

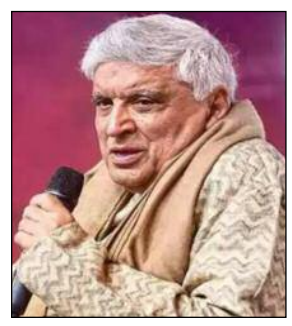

ताली नहीं बजा सकते, पाकिस्तान ने कभी भी बेहतर रिश्ते बनाने के लिए ठोस प्रयास नहीं किए। उन्होंने आगे कहा कि कश्मीर को लेकर भारत कभी भी आक्रामक नहीं रहा। लेकिन, पाकिस्तान ने हमेशा आक्रामकता दिखाई।

उन्होंने कहा, कश्मीर एक बड़ा मुद्दा है। हमारे दावे के बावजूद, हम कभी भी आक्रामक नहीं रहे। कई लोगों को शिकायत भी रहती है कि आप आक्रामक क्यों नहीं हैं? हम ऐसे नहीं हैं। लेकिन, पाकिस्तान ने इस मुद्दे या विवाद को सुलझाने की कोशिश नहीं की, बल्कि हमेशा आक्रामकता दिखाई। कार्यक्रम में जावेद और शबाना ने पुस्तक के अंश भी पढ़े। उन्होंने विस्थापित लोगों के पलायन के दर्द के बारे में बात की। पुस्तक के लेखक का परिवार विभाजन के बाद भारत आ गया था। जावेद ने यह भी कहा कि दोनों देशों की सरकारों को शरणार्थियों को एक साथ बैठाने और उनके अलगाव की कहानियों को साझा करने का प्रयास करना चाहिए था।

दिल्ली हाईकोर्ट से लालू यादव को झटका

जमीन के बदले नौकरी' घोटाले में याचिका खारिज

एजेंसी

दिल्ली। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के प्रमुख और पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव को शनिवार को दिल्ली उच्च न्यायालय से बड़ा झटका लगा है। अदालत ने 'जमीन के बदले नौकरी' घोटाले में उनके खिलाफ चल रही निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है। इस याचिका में लालू यादव ने मांग की थी कि इस मामले में चल रही सुनवाई पर रोक लगाई जाए, लेकिन हाईकोर्ट ने इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि निचली अदालत में कानूनी प्रक्रिया के तहत कार्यवाही चल रही है और उसमें हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है। बता दें कि सीबीआई ने 3 जुलाई को लालू प्रसाद, राबड़ी देवी और उनके बेटे और बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। आरोप है कि 2004-2009 की अवधि के दौरान, लालू प्रसाद (तत्कालीन रेल मंत्री) ने

विभिन्न रेलवे जोन में समूह 'डी'पदों पर प्रतिस्थापन की नियुक्ति के बदले में अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर भूमि संपत्ति के हस्तांतरण के रूप में आर्थिक लाभ प्राप्त किया था। पटना के कई निवासियों ने स्वयं या अपने परिवार के सदस्यों के माध्यम से अपनी जमीन लालू प्रसाद के परिवार के सदस्यों और उनके और उनके परिवार द्वारा नियंत्रित एक निजी कंपनी के पक्ष में बेच दी और उपहार में दे दी। पटना में स्थित लगभग 1,05,292 वर्ग फुट भूमि और अचल संपत्तियों को लालू प्रसाद और उनके परिवार के सदस्यों ने पांच बिक्री कार्यों और दो उपहार कार्यों के माध्यम से हासिल किया था, जिसमें विक्रेता को भूमि हस्तांतरण का अधिकांश भुगतान नकद में दिखाया गया था।

विदेश सचिव की अमेरिकी यात्रा : द्विपक्षीय व्यापार समझौते की प्रगति पर चर्चा

उभरती तकनीकों में सहयोग और आईटीएआर सहित अन्य मुद्दों पर भी हुई चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने अपनी हालिया वाशिंगटन डीसी की यात्रा के दौरान अमेरिकी प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत की। इस दौरान रक्षा, वाणिज्य, वित्त, तकनीक और रणनीतिक साझेदारी पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने माना कि तकनीक, व्यापार और प्रतिभा 21वीं सदी की साझेदारी के आधार स्तंभ हैं। विदेश सचिव ने वाणिज्य विभाग के अंडर सेक्रेटरी जेफ़री केसलर से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय व्यापार समझौते की प्रगति, उभरती तकनीकों में सहयोग और आईटीएआर (इंटरनेशनल ट्रैफिक इन आर्म्स रेगुलेशंस) जैसे निर्यात नियंत्रण नियमों को सरल बनाने की जरूरत

पर विचार किया। साथ ही, यह सहमति बनी कि रणनीतिक व्यापार संवाद की अगली बैठक जल्द आयोजित की जाएगी। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने 27 से 29 मई तक वॉशिंगटन डीसी का दौरा किया। यह प्रधानमंत्री की फरवरी यात्रा के बाद हुई कॉम्पैक्ट (कैटलाइजिंग ऑपर्च्युनिटीज फॉर मिलिट्री पार्टनरशिप, एक्सेलेरेटेड कॉमर्स एंड टेक्नोलॉजी) पहल की अगली कड़ी थी। मिस्री ने उद्योग और थिंक टैंक प्रतिनिधियों के साथ भी संवाद किया। कॉम्पैक्ट के विजन के तहत, रक्षा सहयोग, ऊर्जा सुरक्षा, ट्रस्ट (ट्रांसफॉर्मिंग रिलायंस, यूनिटी, स्ट्रेंथ एंड ट्रस्ट) पहल, आतंकवाद विरोध, इंडियन ओशन स्ट्रैटेजिक वेंचर और सहयोग मंच जैसे क्वाड (क्वाड्रिलेटरल सिक्योरिटी डायलॉग), आई2यू2 (इंडिया, इज़रायल, यूएई, यूएस) और आईएमईसी (इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर) पर विस्तृत संवाद हुआ। विदेश मंत्रालय के अनुसार इस यात्रा का उद्देश्य भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाना था। मंत्रालय के अनुसार विदेश सचिव ने अमेरिका के विदेश विभाग, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद, रक्षा विभाग, वित्त विभाग और वाणिज्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से व्यापक चर्चा की। ये बातचीत रक्षा, व्यापार, तकनीक, वित्तीय सहयोग और वैश्विक रणनीतिक तालमेल जैसे कई मुद्दों पर केंद्रित रही। उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लानडाउ के साथ लंच बैठक में दोनों पक्षों ने पूरी द्विपक्षीय साझेदारी की समीक्षा की।

झारखंड बोर्ड 12वीं का रिजल्ट जारी, लड़कियों का बेहतर प्रदर्शन

एजेंसी

रांची। झारखंड बोर्ड 12वीं का आज रिजल्ट जारी कर दिया गया। जैक अध्यक्ष डॉ नटवा हांसदा ने आज यहां झारखंड बोर्ड 12वीं का रिजल्ट जारी किया है।जैक 12वीं रिजल्ट 2025 में लड़कियों ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन किया है।साइंस स्ट्रीम में 80.53त लड़कियां पास हुई हैं।वहीं लड़कों का पास प्रतिशत 78.43फीसदी रहा। कॉमर्स स्ट्रीम की बात करें तो यहां भी लड़कियां आगे रहीं।इस बार कॉमर्स में 95फीसदी लड़कियां पास हुईं। जबकि लड़कों का पास प्रतिशत 86त रहा।झारखंड बोर्ड इंटर 12वीं परीक्षा में पास होने के लिए छात्र को कम से कम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना जरूरी है।

उत्तर प्रदेश के हरदोई में बारातियों से भरी कार खाई में गिरी, छह की मौत, सात घायल

एजेंसी

हरदोई। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में भीषण सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि सात लोग घायल हो गए। बताया जाता है कि शादी से लौट रहे बरातियों की कार तेज रफ्तार में भुप्पा पुरवा मोड़ पर अनियंत्रित होकर खाई में पलट गई। इससे कार में सवार छह लोगों की मौत हो गई और सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस उपाधीक्षक अनुज मिश्र ने बताया कि शनिवार तड़के लगभग 03 बजे थाना मझिला के कुसमा गांव से शादी कराकर पाली लौट रहे बारातियों की एक आर्टिगा कार भुप्पा पुरवा मोड़ पर अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई। मृतकों में जितेंद्र (22), आकाश (18), सिद्धार्थ (6), रामू (35), उदय वीर (23), जौहरी (40) शामिल हैं। पुलिस ने सभी शवों को एवं घायलों को सीएचसी शाहाबाद एंबुलेंस से भिजवाया। घायलों का प्राथमिक उपचार करने के पश्चात जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन मौके पर पहुंचे और पुलिस को दिशा-निर्देश दिए। इस घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोक व्यक्त किया है।

संक्षिप्त समाचार

सुंदर कांड पाठ का हुआ आयोजन

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - अंबा,औरंगाबाद,बिहार के श्रीमद् भागवत कथा वाचक आचार्य राजेश शास्त्री जी के द्वारा भव्य सुंदर कांड पाठ पर कथा जोड़ा मंदिर,ओझा मार्केट के सामने,विकास नगर में सुनाई गई। कथा वाचक आचार्य राजेश शास्त्री जी ने हनुमान जी की भक्ति,शक्ति,वीरता एवं बुद्धिमता,माता सीता जी,लंका दहन,विभीषण,रावण आदि आदि के प्रसंग पर भक्तिमय संगीत के साथ साथ विस्तार पूर्वक कथा सुनाई।इस धार्मिक आयोजन की अध्यक्षता प्रसिद्ध समाजसेविका सह भाजपा नेत्री सीमा मिश्रा ने किया।इस कथा मे रांची के लोकप्रिय विधायक सी.पी.सिंह,छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा, समाजसेवी ललित ओझा,मंतोष सिंह,सोनू सिंह,विक्की शर्मा,चंदन कुमार,सोनू भारद्वाज आदि उपस्थित हुए और कथा सुने।महाआरती एवं भोग लगा महाप्रसाद वितरण के साथ कथा की समापन हुई। कार्यक्रम को सफल बनाने मे मुख्यरूप से शुभम कुमार,गोलू चौधरी,किरण देवी,सरिता देवी, मीणा देवी,सविता देवी,भानु देवी,पूनम देवी,रानी देवी आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आंधी तूफान से उड़े अल्वेस्टर घर का हुआ तहस-नहस घर का सामान भी हुआ नष्ट

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - मांडर प्रखंड कैम्बो पंचायत के सरगांव मुजुर्ली गांव में 1.एक मई 2025 को जो जोरदार आंधी तूफान और बारिश के कारण कई घर क्षतिग्रस्त हो गया जिसमें सबसे ज्यादा क्षतिग्रस्त हुआ रविंद्र उरांव पिता साधो उरांव का बताया जा रहा है कि पूरा घर का अल्बेस्टर हवा में उड़ गया जिससे एक भी अल्बेस्टर सही सलामत नहीं बचा और घर में बारिश होने के कारण सारा सामान भी क्षतिग्रस्त हो गया था और इस बार मौसम अचानक खराब कभी भी हो जा रहा है इससे उस घर परिवार के लोगों का डर का माहौल बना रहता है!

मांडर, 12वीं की परीक्षा में संत अन्ना इंटर कालेज मांडर के छात्रों का बेहतर प्रदर्शन, सलोनी कुमारी सांइस व ईशा किंडो कॉमर्स की स्कूल टॉपर

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - झारखंड बोर्ड के12 हवीं की परीक्षा में संत अन्ना इंटर कालेज मांडर के साइंस व कामर्स के छात्रों ने बेहतर प्रदर्शन किया है. कालेज की प्राचार्या मेरी बागे के अनुसार साइंस में कालेज से कुल 251 छात्रों ने इंटर की परीक्षा दी जिसमें 159 प्रथम व 36 द्वितीय श्रेणी से व 1 तृतीय श्रेणी से उतीर्ण हुए हैं. (458) 91.6% अंक लाकर सलोनी कुमारी कालेज टॉपर हुई है. वहीं(443) 88.6 अंक प्राप्त कर रेहान अंसारी ने कालेज में दूसरा व मुस्कान परवीन ने (436) 84.6 अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान प्राप्त किया है. जबकि कॉमर्स में (418) 83.6% अंक प्राप्त कर ईशा किंडो स्कूल टॉपर हुई है. वहीं (404) 83.6% अंक लाकर पृथ्वी कुमार साहू ने दूसरा व (400) 80% अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान प्राप्त किया है. परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रिंसिपल मेरी बागे ने सभी छात्रों को बधाई दी है और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी है!

उपायुक्त हेमंत सती ने किया करमपहाड़ चेक डैम एवं मोती झरना का निरीक्षण

साहिबगंज: जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त हेमंत सती द्वारा करमपहाड़ स्थित चेक डैम का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने डैम की वर्तमान स्थिति, जल संरक्षण की व्यवस्था एवं उसके रखरखाव की समीक्षा की। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि चेक डैम के माध्यम से ग्रामीणों को अधिक से अधिक लाभ मिले, इसके लिए ठोस योजना बनाकर क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने जिले के प्रमुख पर्यटन स्थल मोती झरना का भी दौरा किया। उन्होंने पर्यटन की संभावनाओं को देखते हुए मोती झरना क्षेत्र के सौंदर्यीकरण, मूलभूत संरचना के विकास और जलप्रपात के आस-पास पर्यटक सुविधाओं की व्यवस्था हेतु विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (उढफ) तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने ज्योन्धार क्षेत्र का भी अवलोकन किया और संभावित निर्माण स्थलों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।उपायुक्त ने कहा कि जिले में पर्यटन विकास से न केवल रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी।

प्रत्येक प्रखंड में बनेंगे तीन-तीन मॉडल सामुदायिक शौचालय - डीसी

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ उपायुक्त मनीष कुमार ने विडियो कॉन्फ्रेंस कर जिले में क्रियान्वित योजनाओं का समीक्षा किया। उन्होंने अबुआ आवास योजना अंतर्गत 28 मई को पंद्रह सौ आवासों के गृह प्रवेश को उपलब्धि बताया तथा इसे हर माह को आवास दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। आवास योजना के तहत अगले एक सप्ताह में 240 आवास पूर्ण करने का लक्ष्य प्रखंडों के बीच बांटा गया तथा प्रतिदिन इसकी मानिटरिंग करने हेतु निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि 10 जून से सभी प्रखंडों का भ्रमण करेंगे जिसमें कार्यालय निरीक्षण, चार पंचायतों में योजना जांच करेंगे तथा लाभुकों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं से रूबरू होंगे। इसकी शुरूआत लिट्टीपाड़ा प्रखंड से करने की बात कही है। जेएसएलपीएस की दीदीयों के लिए दुकान जिला परिषद की योजना के माध्यम से कराया जाएगा ताकि उनको अपने उत्पादों को बेचने में सहुलियत हो सके। सभी प्रखंडों में पानी सप्लाई के लिए खरीदे गए टैंकर का भुगतान से संबंधित समीक्षा की गई जिसे एक सप्ताह में राशि भुगतान का निर्देश दिया गया। वही मनरेगा के तहत बिरसा हरित ग्राम योजना में 80 प्रतिशत योजना ऑनगोइंग तथा पौधारोपण पूर्व कार्यों को पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। पूर्व से क्रियान्वित बिरसा हरित ग्राम योजना के बड़े पैंच में विडियोग्राफी करवाने जिसके पहले योजना में ट्रेंच, सीआईबी, निकाई गुड़ाई, जलकुंड, घेराबंदी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इन बड़े पैंच में पानी की आवश्यकता को देखते हुए डीप बोरिंग हेतु प्रस्ताव की मांग

की गई। उन्होंने 8 जून को सभी प्रखंडों में गड्ढा कोड़ो अभियान चलाने का निर्देश दिया जिसके तहत पच्चीस हजार गड्ढा खुदाई करने का लक्ष्य रखा। बागवानी दिवस प्रत्येक माह के आठ तारीख को रखने की बात कही तथा आवास दिवस 28 तारीख एवं रक्तदान शिविर प्रत्येक माह की 24 तारीख को करने का निर्देश दिया गया। मनरेगा में महिला भागीदारी 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 52 प्रतिशत करने हेतु निर्देश दिए गए। यह कदम महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है। आवास योजना में 63 प्रतिशत लाभुकों को मनरेगा के तहत पूर्णतः 90 मानव दिवस सृजन करने का निर्देश दिया गया।बचे हुए खराब चापानल एवं जलमीनार मरम्मति को अधिक से अधिक संख्या में गैंग लगाकर दुरूस्त करने हेतु कहा गया। राशन वितरण में पारदर्शिता लाने हेतु सभी पंचायतों में नोटिस बोर्ड पर सूचना जारी करने को कहा गया जिसमें यह उल्लेख रहे कि जून माह का अनाज 1 से 15 जून तक वितरण किया जाएगा। इसी प्रकार 16 से 30 जून को जुलाई माह का अनाज तथा 1 से 15 जुलाई को माह अगस्त का राशन वितरण किया जाएगा। अंचल अधिकारी से संपर्क कर जमीन संबंधी मामलों का निष्पादन हेतु बीडीओ को निर्देश दिया गया। साथ ही पुराने जीर्ण-शीर्ण अवस्था में पड़े भवनों को डिमालिस हेतु भवन निर्माण विभाग को प्रस्ताव उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। प्रखंडों में बनने वाले मिल्क पार्लर का उद्घाटन 15 अगस्त को करने का लक्ष्य रखा गया। खेल तथा पर्यटन पर निर्माण संभावनाओं के लिए प्रस्ताव की मांग की गई। उन्होंने साइकिल वितरण की समीक्षा में कहा कि विद्यालय खुलने पर तुरंत साइकिल वितरण कर दिया जाय ताकि बच्चों को विद्यालय आने जाने में सुगमता हो सके। प्रखंड विकास पदाधिकारीयों को निर्देश दिया गया कि सामुदायिक शौचालय निर्माण के लिए स्थल चिन्हित किया जाय जिसमें एक 15 वें वित्त से तथा दो -दो अन्य मद से जिला स्तर पर निर्माण किया जाएगा। सामुदायिक शौचालय की देखभाल तथा सुव्यवस्थित रखने के लिए इसके इस्तेमाल पर राशि तय की जाएगी।

पाकुड़ पॉलिटेक्निक के छात्रों ने सामाजिक सेवा कर तंबाकू निषेध का फैलाया संदेश

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ शनिवार तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर पाकुड़ पॉलिटेक्निक, पाकुड़ के छात्रों ने एक जन-जागरूकता अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेते हुए तंबाकू-मुक्त जीवनशैली को बढ़ावा दिया और अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को समर्पण और उद्देश्य के साथ निभाया। मुख्य प्रशासनिक पदाधिकारी निखिल चंद्र की पहल और संस्थान के निदेशक अमिया रंजन बड़ाजेना के प्रोत्साहनपूर्ण समर्थन में यह अभियान आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य स्थानीय समुदाय को तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना था। छात्रों ने प्रभावशाली पोस्टर और तख्तियाँ तैयार कीं और एक जन-संपर्क अभियान चलाकर स्वस्थ, तंबाकू-मुक्त जीवन जीने का संदेश प्रसारित किया। स्लोगन

और सूचनात्मक चित्रों के माध्यम से छात्रों ने आम जनता से बातचीत की, उन्हें तंबाकू सेवन से होने वाले स्वास्थ्य जोखिमों के बारे में जानकारी दी और एक बेहतर जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। स्थानीय निवासियों ने छात्रों के इस प्रयास की सराहना की और सकारात्मक सहयोग दिया। अभियान के अंतर्गत एक पोस्टर और तख्ती निर्माण प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें प्रथम स्थान पर पियूष सिंह, द्वितीय स्थान पर नंदनी कुमारी, तथा तृतीय स्थान पर सुबोध कुमार साहा रहे। ये तीनों विजेता प्रथम वर्ष के विद्युत इंजीनियरिंग विभाग से हैं। निदेशक अमिया रंजन बड़ाजेना ने ऑनलाइन संदेश के माध्यम से छात्रों की सराहना की और इस प्रकार के जागरूकता अभियानों की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि यह समाज को जिम्मेदार और स्वास्थ्य-सचेत बनाने में सहायक होते हैं। यह अभियान इस बात का प्रमाण है कि पाकुड़ पॉलिटेक्निक केवल तकनीकी शिक्षा ही नहीं, बल्कि सामाजिक रूप से जागरूक और उत्तरदायी नागरिकों के निर्माण के लिए भी प्रतिबद्ध है। संकाय सदस्यों और कर्मचारियों ने छात्रों के उत्साह की सराहना की और उनके प्रयासों को समर्थन प्रदान किया। पाकुड़ पॉलिटेक्निक छात्रों में नागरिक जिम्मेदारी, पर्यावरण जागरूकता और सामाजिक सेवा की भावना को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें कुशल पेशेवरों के साथ-साथ जिम्मेदार व्यक्तित्वों के रूप में विकसित करने की दिशा में सतत प्रयासरत है।

सुधीर ने रक्तदान कर बचाई 17 वर्षीय बच्ची की जान

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़: सत्य सनातन संस्था के आह्वान पर शनिवार को कोर्ट कर्मचारी सुधीर कुमार सिंह ने रक्तदान कर 17 वर्षीय बच्ची खुशी पहाड़िया की जान बचाकर मानवता का परिचय दिया है। संस्था के जिला अध्यक्ष हर्ष भगत ने कहा कि शहर के किताझोर निवासी खुशी पहाड़िया बहुत की गरीब परिवार से है। वह अचानक बिमारी हो गई। बिमारी के ईलाज के लिए पड़ोस के मेघदूत घोष ने बच्ची को अस्पताल में भरती कराया था। चिकित्सकों ने ईलाज के दौरान बच्ची के शरीर में रक्त की कमी बताते ही रक्त उपलब्ध करने की सलाह दी। चिकित्सक के सलाह में मेघदूत ने रक्त के लिए संस्था से सहयोग की अपील की। संस्था के आग्रह पर न्यायालय कर्मचारी सुधीर सिंह ने पुराना सदर अस्पताल स्थित रक्त अधिकोष में पहुंचकर बच्ची को रक्तदान किया। सुधीर ने बताया कि रक्तदान महादान है। इस कार्य कि लिए कभी पीछे नहीं रहेंगे। किसी का जान बचाना यह एक अच्छा मौका है। सुधीर ने रक्तदान के लिए लोगों से बढ़-चढ़कर आगे आने की अपील की। संस्था के जिला अध्यक्ष ने कहा कि संस्था रक्तदान के प्रति लोगों को हमेशा जागरूक करती है। आगे भी इस कार्य को संस्था जारी रखेगा। रक्तदान महादान से इस कार्य के लिए सभी को आगे रहना चाहिए। रक्त मिलने के बाद बच्ची के परिजनों ने संस्था को धन्यवाद दिया है। मौके पर संस्था के अजय भगत, रक्त अधिकोष के नवीन कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

पाकुड़ नगर के वार्ड संख्या 03 में कांग्रेस का चला जनसंपर्क अभियान, दर्जनों समर्थक ने लिया हिस्सा

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ नगर के वार्ड संख्या 03 में आज कांग्रेस पार्टी द्वारा जनसंपर्क अभियान चलाया गया। यह अभियान अशोक दास (पाकुड़ प्रखंड एवं नगर कांग्रेस प्रवेक्षक) के दिशा-निर्देश पर आयोजित किया गया। इस अभियान का नेतृत्व पाकुड़ जिला कांग्रेस कमिटी की महासचिव मोनिता कुमारी ने किया। कार्यक्रम में दर्जनों महिलाओं एवं पुरुषों ने भाग लिया और कांग्रेस पार्टी की विचारधारा को अपनाने का संकल्प लिया। मोनिता कुमारी ने जनता से संवाद के दौरान कांग्रेस की नीतियों और महागठबंधन सरकार के जनहितकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो हर वर्ग के अधिकार और सम्मान

की लड़ाई लड़ती है। इस दौरान नगर अध्यक्ष वंशराज गोप भी मौजूद थे, जिन्होंने भी पार्टी के पक्ष में माहौल तैयार करने में अहम भूमिका निभाई। जनसंपर्क अभियान के दौरान स्थानीय लोगों ने क्षेत्र की कई समस्याएं जैसे जल-जमाव, नाली की साफ-सफाई, राशन वितरण में अनियमितता, नाला निर्माण और सड़क मरम्मती की मांग को प्रमुखता से रखा। इन समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए मोनिता कुमारी ने भरोसा दिलाया कि वे इन सभी मुद्दों को झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के महासचिव माननीय तनवीर आलम के समक्ष रखेंगी और उनके सहयोग से जल्द से जल्द समाधान निकालने का प्रयास करेंगी। मौके पर मौजूद लोगों ने तनवीर आलम की कार्यशैली, सादगी और जमीनी जुड़ाव की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि तनवीर आलम जैसे नेता कांग्रेस संगठन की असली ताकत हैं, जिनके मार्गदर्शन में कार्यकर्ता निडर होकर जनसेवा में लगे हैं। जनसंपर्क अभियान को क्षेत्रवासियों ने बेहद सकारात्मक रूप में लिया और कांग्रेस पार्टी को मजबूती से समर्थन देने का भरोसा जताया। इस दौरान इंद्राणी विश्वास, सरिता देवी, रोहित राउत, गोपाल कुमार सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

मुफस्सिल थाना में विश्व तंबाकू दिवस के अवसर पर पुलिस कर्मियों को दिलाया गया शपथ

साहेबगंज:-विश्व तंबाकू दिवस के अवसर पर मुफस्सिल थाना प्रांगण में अंचल अधिकारी बासुकीनाथ टुडू के उपस्थिति में पुलिसकर्मियों को शपथ लिया गया। इस अवसर पर पुलिस कर्मियों को तंबाकू उपयोग खिलाफ जागरूक किया गया। बताया गया कि तंबाकू जानलेवा है । यह प्रयोग करने वाले व्यक्ति के साथ-साथ पूरे परिवार को बर्बाद कर देता है वही लोग तंबाकू और तंबाकू उत्पादों से दूर रहे इसको लेकर लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए पुलिस विभाग की ओर से अभियान चलाया गया। इस कड़ी में साहिबगंज जिले में पुलिस कर्मियों ने भी तंबाकू से दूर रहने की शपथ ली। तंबाकू निषेध दिवस पर थाना में पुलिस कर्मियों के साथ तंबाकू से दूर रहने की शपथ ली गई। इस मौके पर कहा गया कि लोग तंबाकू और तंबाकू उत्पादों से खुद तो दूर रहेंगे ही साथ ही अपने परिवार रिश्तेदारों और समाज के लोगों को भी इससे दूर रहने के लिए जागरूक करेंगे। वही बताया गया कि तंबाकू के उपयोग से होती है खतरनाक बीमारियां। इससे अनेकों घर तबाह हो रहे हैं।

थाना परिसर में जनता दरबार, दो भूमि विवादों का हुआ ऑन स्पॉट निपटारा

दिव्य दिनकर संवाददाता तारापुर।

भूमि विवादों के त्वरित निपटारे को लेकर शनिवार को तारापुर थाना परिसर में साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दरबार की अध्यक्षता अंचल अधिकारी (सीओ) संतोष कुमार ने थानाध्यक्ष राजकुमार के साथ संयुक्त रूप से की।जनता दरबार में कुल पाँच मामलों की सुनवाई की गई, जिसमें दो पूर्व से लंबित और तीन नये मामले शामिल थे। वादी-प्रतिवादी की उपस्थिति में प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर दो मामलों का समाधान मौके पर ही आपसी सहमति से कर दिया गया।सीओ संतोष कुमार ने बताया कि शेष तीन मामलों में या तो जरूरी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए, या फिर किसी एक पक्ष की अनुपस्थिति रही, अथवा दोनों पक्षों में आपसी सहमति नहीं बन पाई। ऐसे में इन मामलों का समाधान नहीं हो सका। उन्होंने संबंधित पक्षों को निर्देश दिया कि अगले जनता दरबार में भूमि से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित हों, ताकि निष्पक्ष रूप से मामलों का समाधान किया जा सके।

अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा बाजार समिति से अतिक्रमण एवं अवैध निर्माण को हटाने की कार्रवाई की गई

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर बाजार समिति के सचिव राहुल कुमार के पत्र के आलोक में अनुमंडल पदाधिकारी देवघर के द्वारा बाजार समिति से अतिक्रमण एवं अवैध निमार्णों को हटाने की कार्रवाई की गई बाजार समिति से अतिक्रमण हटाने के लिए दंडाधिकारी के रूप में अंचल अधिकारी देवघर अनिल कुमार देवघर को तैनात किया गया था। पुलिस बल की मौजूदगी में बाजार समिति परिसर में बने अवैध निर्माण झोपड़ी

होटल आदि को हटाया गया साथ ही सीओ के द्वारा वहां मौजूद व्यापारियों को निर्देश दिया गया कि समिति कार्यालय द्वारा जितनी जगह उपलब्ध कराई गई उतनी जगह पर ही व्यापार करें वैसे लोग जो अनधिकृत रूप से समिति परिसर की जमीन घेरकर व्यवसाय को संचालित करते हैं तथा जो कारोबारी बाजार समिति में पंजीकृत व्यापारी नहीं है वह सभी परिसर से बाहर ही व्यवसाय करें । गैर पंजीकृत लोगों के व्यवसाय पर पूर्णत रोक लगाने का निर्देश दिया गया है । वैसे व्यापारी जो आवंटित दुकान के अतिरिक्त अवैध निर्माण किए हुए हैं उनके विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी और उनका आवंटन रद्द करते हुए विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

कोडरमा के नए उपायुक्त ऋतुराज को दी गई बधाई, जनहित को सर्वोपरि रखने का आश्वासन

कोडरमा विजय यादव

कोडरमा जिले के नवपदस्थापित उपायुक्त ऋतुराज को उनके कार्यभार ग्रहण करने के बाद आज अनेक जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकताओं ने गुलदस्ता भेंट कर बधाई दी। इस मौके पर पूर्व नगर उपाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह उर्फ.राजू भैया, पूर्व प्रमुख राजकुमार यादव, अवलोकन मीडिया प्रभारी रितेश कुमार सिंह, टूकलाल यादव समेत कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। बधाई देने पहुंचे प्रतिनिधियों ने उपायुक्त ऋतुराज से मुलाकात कर उन्हें जिले की विभिन्न जनसमस्याओं से अवगत कराया। इस अवसर पर उपायुक्त ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को जिले के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा से काम करेंगे। उपायुक्त ऋतुराज ने आश्वस्त किया कि वे क्षेत्र की हर छोटी-बड़ी समस्या को गंभीरता से लेंगे और जनता की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि जनसेवा उनकी प्राथमिकता होगी और प्रशासनिक व्यवस्था को पारदर्शी तथा जनकल्याणकारी बनाना उनका लक्ष्य रहेगा। जनप्रतिनिधियों ने भी विश्वास जताया कि नए उपायुक्त के नेतृत्व में कोडरमा जिले में विकास की गति तेज होगी और आम जनता को बेहतर प्रशासनिक सेवाएं मिलेंगी।

थाना में फरियाद लेकर आने वाले लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान करें पुलिस पदाधिकारी,एसपी

दिव्य दिनकरः संवाददाता

चतरा पुलिस लाइन के सभागार में शुक्रवार को जिले के नए पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल ने पुलिस पदाधिकारियों के साथ बैठक किया। बैठक में जिले के सभी एसडीपीओ, डीएसपी, इंस्पेक्टर व थाना प्रभारी उपस्थित थे। पुलिस अधीक्षक ने पुलिस पदाधिकारियों के साथ यह पहली बैठक थी। सबसे पहले एसपी ने सभी पुलिस पदाधिकारियों से परिचय प्राप्त किया। इसके बाद जिले के प्रमुख समस्याओं पर चर्चा हुई। एसपी ने सभी थाना प्रभारियों को यह सख्त निर्देश दिया कि थाना में फरियाद लेकर पहुंचने वाले लोगों की समस्याओं को थानेदार गंभीरता पूर्वक सुनें। लोगों को यह एहसास होना चाहिए कि थाना पुलिस उनकी समस्याओं के समाधान के लिए तत्पर है। इसमें कोताही बरतने वालों के विरुद्ध सख्त कारवाई की जाएगी। एसपी ने कहा कि जो भी लोग अपनी समस्या लेकर पुलिस पदाधिकारियों के पास पहुंचते हैं, उनके समस्याओं का त्वरित निष्पादन होना चाहिए। चतरा पुलिस लोगों को बेहतर पुलिसिंग कर दिखाएगी। इसके बाद चतरा के लिए बड़ी समस्या बन चुकी अफीम और ब्राउन शुगर की तस्करी पर विसतृत चर्चा हुई। एसपी ने सभी थाना प्रभारियों को यह निर्देश दिया कि अफीम व ब्राउन शुगर की तस्करी में जुटे तस्करों, पेडलरों और इसके सेवन करने वालों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई करें। किसी भी हाल में चतरा में अफीम और ब्राउन शुगर की तस्करी नहीं होने दिया जाएगा। जो भी लोग इसमें संलिप्त पाए जाते हैं, उन्हें चिन्हित करते हुए जेल भेजें। बैठक में लंबित मामलों का निष्पादन जल्द से जल्द करने, फरार वारंटियों को गिरफ्तार करने तथा लंबित कुडकी जप्ती के मामलों का निष्पादन करने का भी निर्देश पुलिस पदाधिकारियों को दिया गया।

झारखंड वॉलीबॉल कैंप का इनडोर स्टेडियम देवघर में हुआ समापन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

पूरे झारखंड में 21मई से 30मई तक झारखंड वॉलीबॉल संघ के निदेर्शानुसार कोचिंग कैंप का आयोजन किया गया था ।इस के तहत आज स्थानीय इनडोर स्टेडियम में वॉलीबॉल कैंप का समापन हुआ ।इस कैंप में करीब 25 से 30 बच्चों ने प्रशिक्षण राष्ट्रीय खिलाड़ी सह किसलय क्रीड़ा केंद्र के प्रशिक्षक नितेश पंडित के द्वारा लिया ।सभी खिलाड़ियों को कैंप समाप्ति के बाद देवघर जिला वॉलीबॉल संघ के अध्यक्ष ध्रुव सिंह द्वारा टीशर्ट भी दिया गया।थ ।देवघर जिला वॉलीबॉल संघ के अध्यक्ष ध्रुव सिंह ने कहा कि झारखंड वॉलीबॉल संघ के निदेर्शानुसार ये आयोजन काफी अच्छा पहल रहा खिलाड़ियों को किसी प्रकार का कोई दिक्कत न हो इसका ख्याल संघ द्वारा रखा गया ।साथ हीं 8 जून को एक दिवसीय वॉलीबॉल टूनार्मेंट भी कराया जाएगा ।इस आयोजन में संघ के सचिव नवीन शर्मा,ऋषि राज सिंह,संजय मालवीय ,मधु रंजन मालवीय, जोगिंद्र तिवारी,बंटी नंदन सिंह,,रोहित सिंह,सुधाकर चौधरी,प्रीतम भारद्वाज,कृष्णकुमार बर्नवाल, गोरे स,जिमी,सहित सभी पदाधिकारी लगे हुए थे।

सर्वब्राह्मण समाज एवं प्रशासन ने सड़क सुरक्षा जागरूकता चलाया

टंडवा-सिमरिया मार्ग ग्राम उड़सू मोड़ में सड़क यातायात परिवहन की पाठ व संदेश दिया

दिव्य दिनकरः संवाददाता

टंडवा, चतरा सर्व ब्राह्मण समाज एवंम् टंडवा प्रशासन द्वारा सड़क दुर्घटनाओं से बचने और सड़क पर सभी के लिए सुरक्षित और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश वाहन चालकों को दी गई। यह जागरूकता सड़क नियमों का पालन करने, सुरक्षित ड्राइविंग व्यवहार अपनाने और सड़क पर खतरों से बचने में मदद की नियमों पर सड़क सुरक्षा जागरूकता के कुछ महत्वपूर्ण पहलू दी गई। सड़क नियमों का पालन, अंचल अधिकारी विजय दास ने बताया सड़क पर चलते समय यातायात नियमों, संकेतों और संकेतों का पालन करना महत्वपूर्ण है,सुरक्षित ड्राइविंग व्यवहार पर तेज गति से वाहन न चलाना, शराब पीकर गाड़ी न चलाना और गाड़ी चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करना जैसे सुरक्षित ड्राइविंग व्यवहार,हेलमेंट अपनाने की बात बताया गया। सुरक्षित यात्रा पर सीओ ने कहा की सड़क पर चलते समय तथा पैदल चलते समय या सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करते समय सभी के लिए सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। जैसे में सड़क सुरक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाने से सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और सड़क पर सभी के लिए सुरक्षित वातावरण बनाने में मदद मिलती है। सड़क सुरक्षा जागरूकता के लिए क्या किया जा सकता है इसके बारे में में संदेश दिया गया। सड़क सुरक्षा के नियमों और कानूनों के बारे में जागरूकता पैदा करना, सड़क पर सुरक्षित व्यवहार को बढ़ावा देना।

बच्चों और युवाओं को सड़क सुरक्षा के बारे में शिक्षित करना। सड़क सुरक्षा के बारे में प्रचार और जागरूकता अभियान चलाने पर जोर दिया जायेगा। सर्व ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष उपेंद्र पांडेय के द्वारा भी जागरूकता अभियान में अहम योगदान देते हुए जागरूक कर उद्देश्य वाहन चालकों को दिया गया। जिन चालकों ने हेलमेंट, ओवरलोड, तेज रफ्तार चालकों को फूल की माला पहनकार तथा गुलाब की फूल देते हुए स्वागत कर नियमों को पालन करने का सख्त चेतावनी दिया। और सड़क पार करते समय जेब्रा क्रॉसिंग का उपयोग करना,तेज गति से वाहन न चलाना,शराब पीकर गाड़ी न चलाना,गाड़ी चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करना,सीट बेल्ट और हेलमेट पहनना,सावधान रहना और सड़क पर होने वाले खतरों के बारे में सचेत रहना।सड़क सुरक्षा जागरूकता में सुधार करने से सड़क दुर्घटनाओं की संख्या कम हो सकती है और सड़क पर सभी के लिए सुरक्षित वातावरण बनाया जा सकता है इसका प्रयोग व पालन करने का नियम बतलाया गया। मौके पर डीटीओ ऑफिस से नीरज कुमार समेत ब्राह्मण समाज से ईश्वर दयाल पांडेय, विजय गिरी, विकास धनंजय चौबे मिथिलेश पांडेय, अजीत पांडेय, बैजनाथ पांडेय, सरोज पांडेय समेत अन्य मौजूद थे।

पाकुड़ स्टेशन परिसर में बनेगा सेल्फी प्वाइंट एवं लगेगा एटीएम

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ डीसी मनीष कुमार के पहल पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक पूर्व रेलवे हावड़ा राहुल रंजन के निदेशानुसार पाकुड़ रेलवे स्टेशन परिसर में सेल्फी प्वाइंट एवं यात्रियों तथा आमजनों को सुविधार्थ एटीएम के अधिष्ठापन हेतु पाकुड़ रेलवे स्टेशन पर स्थल निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में स्टेशन प्रबंधक, पूर्व रेलवे पाकुड़ लखीराम हेम्ब्रम,वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (कार्य) पूर्व रेलवे पाकुड़ परितोष रंजन,वरिष्ठ विद्युत अनुभाग अभियंता (साङ्ग) पूर्व रेलवे पाकुड़ राजू कुमार,कनिय दूरभाष अभियंता संजय कुमार ओझा,नगर परिषद के कनिय अभियंता संजीत मालतो,साहिद सिद्दीकी,ईस्टर्न जोनल रेलवे पैसेंजर्स एसोसिएशन,हावड़ा मंडल के अध्यक्ष हिसाबी राय,सचिव राणा शुक्ला,सह सचिव सुशील सरहा एवं अनिकेत गोस्वामी मौजूद थे। जिला प्रशासन की ओर से नगर सौन्दर्यीकरण के दृष्टिकोण से नगर को सजाने संवारने का कार्य किया जा रहा है,उसी क्रम में पाकुड़ रेलवे स्टेशन भी सुंदर एवं स्वच्छ दिखे इस हेतु उपायुक्त मनीष कुमार ने पहल किया है ।जिसका असर भी अब दिखने लगा है।अपराह्न में जिला प्रशासन की ओर से नगर परिषद के कनिय अभियंता तथा रेल प्रशासन की ओर से के वरिष्ठ पदाधिकारी में संयुक्त रूप से स्थल निरीक्षण किया तथा संयुक्त जांच प्रतिवेदन बनाकर रेलवे के वरिय पदाधिकारी को समर्पित किया गया है। जांचोपरांत स्टेशन प्रबंधक, पूर्व रेलवे पाकुड़ लखीराम हेम्ब्रम ने बताया कि वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक,पूर्व रेलवे हावड़ा के पत्र के आलोक में सेल्फी प्वाइंट तथा एटीएम कक्ष निर्माण हेतु संयुक्त रूप से स्थल का निरीक्षण किया गया ।जिसका संयुक्त जांच प्रतिवेदन बनाकर संबंधित रेल पदाधिकारी को भेजा जा रहा है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

साहिबगंजः झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, श्री अखिल कुमार के मार्गदर्शन में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर जिले के विभिन्न प्रखंडों और पंचायतों में व्यापक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया ।प्राधिकार के सचिव श्री विश्वनाथ भगत ने बताया कि तंबाकू सेवन से मुंह का कैंसर, गले का कैंसर, फेफड़ों एवं पेट संबंधी गंभीर बीमारियों सहित कई अन्य घातक रोगों का खतरा बना रहता है। उन्होंने कहा कि तंबाकू की लत न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है, बल्कि उनके पूरे परिवार के जीवन को भी संकट में डाल देती है। इस्के कारण आर्थिक हानि, शारीरिक पीड़ा और पारिवारिक समस्याएं उत्पन्न होती हैं ।सचिव श्री भगत ने यह भी बताया कि तंबाकू एवं अन्य नशा युक्त पदार्थों का सेवन समाज में नकारात्मक दृष्टि से देखा जाता है और यह कानूनन अपराध की श्रेणी में भी आता है। ऐसे मादक पदार्थों के सेवन पर विधि द्वारा दंडात्मक कार्रवाई का प्रावधान है ।उन्होंने यह भी बताया कि नशे की लत विशेष रूप से आम लोगों, श्रमिकों और निम्न आय वर्ग के लिए अत्यंत घातक सिद्ध होती है, जो उनके व्यक्तिगत, पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन को प्रभावित करती है। पारा लीगल वॉलंटियर्स - न्याय मित्रों द्वारा जिले के सुदूरवर्ती गांवों में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जहां आमजन को तंबाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों से अवगत कराया गया और दुष्परिणामों की जानकारी दी गई।

शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में गायत्री परिवार ने चलाया नशा मुक्ति भारत अभियान

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

गायत्री परिवार का नशामुक्त भारत अभियान,, विश्व तम्बाकू निषेध दिवस 31 म ई को देवघर जिला एवं सभी प्रखंडों के गायत्री परिवार द्वारा नशामुक्त भारत अभियान का संचालन 20 चयनित केन्द्रों से किया गया। इस अभूतपूर्व जनजागरण अभियान जिला समन्वयक बरूण कुमार के मार्गदर्शन तथा मुख्य ट्रस्टी देवनारायण रजक के सामंजस्य से संपन्न हुआ। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए जिला उपसमन्वयक उमाकान्त राय ने मीडिया को बताया कि ऐसे आयोजन का उद्देश्य है शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के अधिकतम घरों के व्यक्तियों से संपर्क हो।ठेलाचालक,टैंपूचालक से लेकर चौक चौराहों पर प्रिंटेड पंपलेट, बैनर, नशामुक्ति संगीत एवं नशा मुक्ति नारे के माध्यम से नशा के कुप्रभाव को बताया गया तथा नशा से मुक्ति के लिए प्राणायाम, सूर्य-नमस्कार एवं गायत्री मंत्र जप को सार्थक बताया गया। आगे इन्होंने कहा कि नशा इतनी अपवित्र वस्तु है जो मानव को दानव बना देती है। नशा हमारे राष्ट्र की सभ्यता संस्कृति एवं मानवता पर कलंक है। तंबाकू, शराब, गुटखा,मादक औषधियां मित्र के रूप में हमारे शरीर में प्रवेश करती है और शत्रु बनकर हमें मार डालती है। गायत्री शक्तिपीठ डाबरग्राम, जसीडीह , बेलाबगान, टावर चौक,करनीबाग, मधुपुर,सारठ,सारवां आदि 20 केन्द्रों से नशामुक्त जनजागरण अभियान चलाया गया। अग्रदूत की भूमिका निभाते हुए रतन भरद्वाज, बंशीधर सिंह, केदारनाथ शास्त्री, ब्रह्मचारी ज्ञान प्रकाश, मिलन कुमारी, अनुपमा देवी , निशा देवी, रेणु देवी, अनिता सिन्हा, राधा भारती आदि ने अभियान को जन जन तक पहुंचा कर सफल बनाया। उमाकान्त राय, जिला उपसमन्वयक, गायत्री शक्तिपीठ डाबरग्राम देवघर।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर लोगों को धूम्रपान न करने की दिलाई गई शपथ

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

आज दिनांक 31 मई, 2025 को विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर सिविल सर्जन, देवघर डॉ०युगल किशोर चौधरी कि अध्यक्षता में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस मनाया गया । सबसे पहले फूल गुच्छ देकर सिविल सर्जन, जिला कुष्ट निवारण पदाधिकारी एवं जिला बी. वी. डी पदाधिकारी का स्वागत किया गया, इसके बाद दीप प्रज्ज्वलित कर इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया ।इसके बाद सिविल सर्जन के द्वारा बतलाया गया कि तम्बाकू निषेध दिवस प्रत्येक साल 31 मई को मनाया जाता है और इसके मानाने का मुख्य उद्देश्य है कि आज कि युवा पीढ़ी को तम्बाकू से होने वाले हानिकारक बीमारियों के बारे में अवगत करना है तथा युवा को तम्बाकू से बचाने के लिए स्वास्थ्य बिभाग से किये जा रहे कार्यो के बारे में जानकारी देना है। इसके बाद नोडल पदाधिकारी एन. टी.सी. पी. डॉ. मनोज गुप्ता के द्वारा बतलाया गया कि इस वर्ष का थीम अपील को उजागर करना : तम्बाकू और निकोटिन उत्पादों पर उद्योग की रणनीति को उजागर करना । यह थीम तम्बाकू और निकोटिन उद्योगों द्वारा अपने असुरक्षित उत्पादों को आकर्षण बनाने के लिए नियोजित भ्रामक तकनीकों को उजागर करने और चुनौती देने और केंद्रित है- विशेष रूप से युवा लोगों के लिए। इसके लिए जिले में व्यापक जन-जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं को तंबाकू मुक्त भविष्य निर्माण में आगे आना होगा। साथ ही बताया कि जागरुकता रथ जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर ऑडियो संदेश देगा, जिसमें आम जनता को तंबाकू सेवन से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी खतरों, कोटपा 2003 एवं ई-सिगरेट निषेध अधिनियम 2019 के प्रावधानों की जानकारी देगा अंत में दन्त चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सरद कुमार के द्वारा सभागार में उपस्थित सभी लीगो को तम्बाकू नहीं खाने कि शपथ दिलाए गई साथ ही साथ कार्यक्रम में उपस्थित सभी लीगो के द्वारा हस्ताक्षर अभियान एवं फोटो सेल्फी का कार्यक्रम लोगो को जागरुक करने के लिए किया है और अंत में जागरूकता रथ एवं रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उक्त कार्यक्रम में जिला जिला बी. वी. डी पदाधिकारी डॉ. अभय यादव, जिला महामारी विशेषज्डॉ मनीष शेखर, जिला कार्यक्रम समन्वयक प्रवीन सिंह, अभिमन्यु कुमार, राजेश कुमार वर्मा ,रवि सिन्हा,मनीष सिंह, राजीव कुमार, रवि चन्द्र मुर्मू ,अभिषेक कुमार इत्यादी उपस्थित थे

महामंडलेश्वर कैलाशानंद गिरी महाराज ने आज बाबा बैद्यनाथ की पूजा अर्चना

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

अखिल भारतीय मध्य देसीय वैश्य सभा के राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष और नरेंद्र मोदी विकास मिशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता ध्रुव प्रसाद शाह की पूरी टीम ने महामंडलेश्वर स्वामी के साथ आज पुनः बाबा बैजनाथ जी का दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ कल पंडा समाज के द्वारा सिमरतल्ला के पहाड़ों पर बेलपत्र तोड़ा गया और आज उसी बेल पत्र को लाकर गुरु जी के द्वारा बाबा बैजनाथ पर अर्पित किया गया अनंत विभूषित, श्रोत्रिय ब्रह्मनिष्ठ, श्रीमत्परमहंस परिव्राजकाचार्य, श्री श्री १००८, निरंजन पीठाधीश्वर, आचार्य महामंडलेश्वर, परमपूज्यपाद स्वामी कैलाशानंद गिरी

महाराज का आचार्य महामंडलेश्वर पद पर अभिषिक्त होने के उपरांत बाबा बैद्यनाथ का पूजा अर्चना किए और विश्व कल्याण का कामना किया समस्त देवघर वासी इस पुण्य अवसर पर हर्षोल्लास पूर्वक उनका हार्दिक वंदन, अभिनंदन एवं नंदन करते हैं। आपका यह आगमन निश्चित ही देवभूमि की आध्यात्मिक चेतना को और भी प्रखर करेगा तथा जनमानस को धर्म, सेवा और साधना के पथ पर अग्रसर होने की प्रेरणा देगा।

11 हजार वोल्ट के करंट से दो दुधारू गायों की मौत, मालिक ने विद्युत विभाग को ठहराया जिम्मेदार

देवघर। नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत शाहिद आश्रम रोड स्थित गोशाला के समीप 31 मई को करंट लगने से दो दुधारू गायों की मौत हो गई। गायों के मालिक शंभू सरण सिंह, पिता स्वर्गीय चुनचुन सिंह ने आरोप लगाया कि यह हादसा बिजली विभाग की लापरवाही का नतीजा है। उन्होंने बताया कि उनकी गायें रोज की तरह गोचर भूमि पर चरने के लिए सुबह 11 बजे निकली थीं। जब कुछ समय बाद वे अपनी गायों को ढूंढने निकले तो देखा कि उनके घर के पश्चिम दिशा में स्थित एक निजी बागान में 11,000 वोल्ट की हाई वोल्टेज विद्युत तार मात्र 3 फीट की ऊंचाई पर झूल रही थी। दोपहर करीब 12 बजे के आसपास, वही तार दोनों गायों के संपर्क में आ गई, जिससे घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। शंभू सरण सिंह ने प्रशासन और बिजली विभाग से मांग की है कि इस मामले की गंभीरता से जांच की जाए, दोषियों पर कार्रवाई हो और उन्हें उचित मुआवजा प्रदान किया जाए।

>> विचार

> सबसे चिंताजनक घटना थी अशोका विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के प्रमुख प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद की गिरफ्तारी। एक अत्यंत उपयुक्त पोस्ट में उन्होंने लिखा था, मुझे यह देखकर बहुत खुशी हो रही है कि बहुत सारे दक्षिणपंथी लेखक कर्नल सोफिया कुरैशी की सराहना कर रहे हैं। वे आगे लिखते हैं, उन्हें यह मांग भी करनी चाहिए कि भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या किए जाने और मनमाने ढंग से घरों को ढहाए जाने और बीजेपी के घृणा अभियान की वजह से होने वाली अन्य घटनाओं के शिकारों को भी भारतीय नागरिकों की तरह सुरक्षा हासिल हो। कई मानवाधिकार समूहों ने इस ओर ध्यान आकर्षित किया है कि मुसलमानों के साथ होने वाली हिंसा और उनके खिलाफ नफरत भरे भाषण दिए जाने की घटनाओं में पिछले एक दशक में काफी बढ़ोत्तरी हुई है।

पहलगाम त्रासदी, मुसलमानों के खिलाफ नफरत और भारतीय डेलिगेशन की विदेश यात्राएं

राम पुनियानी

पहलगाम में हुए आतंकी हमले का भारत की जनता पर गहरा असर हुआ है। जहां प्रधानमंत्री मोदी डींगें हांकते रहे और गोदी मीडिया दावा करता रहा कि भारतीय सेनाएं पाकिस्तान में घुस गई हैं, वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान ने भारत के कई विमानों को मार गिराने का दावा किया। संघर्ष विराम की घोषणा सबसे पहले डोनाल्ड ट्रंप ने की और कहा कि यह उनकी मध्यस्थता से संभव हुआ है। वहीं मोदी ने दावा किया कि इसका श्रेय उन्हें जाता है और सेना के प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तानी अधिकारियों ने संघर्ष विराम का अनुरोध किया था जिसे भारत ने मंजूर किया जिससे दोनों ओर सैनिकों और नागरिकों का बड़े पैमाने पर संभावित रक्तपात रूक सका। सरकार ने अपना पक्ष प्रस्तुत करने के लिए कई प्रतिनिधिमंडल दुनिया के विभिन्न देशों में भेजे हैं, जिनमें विपक्षी दलों के कई सांसदों को भी शामिल किया गया है। शशि थरूर के नेतृत्व में ऐसा ही एक प्रतिनिधिमंडल अमेरिका पहुंचा। इन प्रतिनिधिमंडलों को क्या कहने की हिदायत और सलाह दी गई है, यह थरूर के अमेरिका में दिए गए वक्तव्य से स्पष्ट होता है। अमेरिका में थरूर ने कहा, "पहलगाम के आतंकी हमले का प्रयोजन लोगों को बांटना था लेकिन इससे भारत के लोग धर्म और अन्य विविधताओं से परे हटकर एक हो गए। धार्मिक और अन्य विभाजनों से दूर हटते हुए, भड़काने की कोशिशों के बावजूद उन्होंने असाधारण एकता प्रदर्शित की। संदेश साफ है कि इस कांड के प्रायोजकों का बहुत घातक इरादा था। क्या सभी प्रतिनिधिमंडलों को इसी तरह की बातें कहने की हिदायत दी गई है? स्पष्टतः यह आख्यान काफी हद तक सही है क्योंकि सभी भारतीयों, हिंदुओं और मुस्लिमों ने एकजुट होकर पहलगाम की कायरतापूर्ण घटना की निंदा की। लेकिन इसके बावजूद, अंदर ही अंदर मुसलमानों के खिलाफ नफरत फैलाने का काम जारी है। पहलगाम की घटना के पहले भी मुसलमानों के प्रति नफरत लगातार बढ़ती जा रही थी, जो घटना के बाद तो तेजी से बढ़ते हुए शिखर पर पहुंच गई है।अपने पिछले लेख में मैंने इस अभागे समुदाय के प्रति नफरत फैलाने के लिए की गई हरकतों की आंशिक सूची प्रस्तुत की थी। इनका संकलन सेंटर फॉर स्टडी ऑफ सोसायटी एन्ड सेकुलरिज्म, मुंबई द्वारा किया गया है। एक अन्य लेख में यह टिप्पणी की गई थी कि जहां भारत आतंकी हमले में हुई मौतों का शोक

मना रहा था, वहीं ऑनलाइन और ऑफलाइन एक समन्वित अभियान चलाया गया जिसका एक संदेश था कि मुसलमान हिंदुओं के लिए खतरा हैं, कभी न कभी सभी हिंदुओं का यही हाल होगा और मुसलमानों को हिंसा और बहिष्कार के जरिए दंडित किया जाना जरूरी है। सबसे चिंताजनक घटना थी अशोका विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के प्रमुख प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद की गिरफ्तारी। एक अत्यंत उपयुक्त पोस्ट में उन्होंने लिखा था, मुझे यह देखकर बहुत खुशी हो रही है कि बहुत सारे दक्षिणपंथी लेखक कर्नल सोफिया कुरैशी की सराहना कर रहे हैं। वे आगे लिखते हैं, उन्हें यह मांग भी करनी चाहिए कि भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या किए जाने और मनमाने ढंग से घरों को ढहाए जाने और बीजेपी के घृणा अभियान की वजह से होने वाली अन्य घटनाओं के शिकारों को भी भारतीय नागरिकों की तरह सुरक्षा हासिल हो। कई मानवाधिकार समूहों ने इस ओर ध्यान आकर्षित किया है कि मुसलमानों के साथ होने वाली हिंसा और उनके खिलाफ नफरत भरे भाषण दिए जाने की घटनाओं में पिछले एक दशक में काफी बढ़ोत्तरी हुई है। इसके बाद हरियाणा राज्य महिला आयोग ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज करवाते हुए कहा कि मेहमूदाबाद के सोशल मीडिया पोस्ट से दोनों महिला सैन्य अधिकारियों का अपमान हुआ है और सुरक्षा बलों में उनकी भूमिका का अवमूल्यन हुआ है। यह समझ के परे है कि इस पोस्ट से कैसे इन महिला सैन्य अधिकारियों का अपमान हुआ या भारतीय सेना में उनकी भूमिका का अवमूल्यन हुआ। एक अन्य शिकायत बीजेपी के एक युवा कार्यकर्ता द्वारा दर्ज कराई गई। इन शिकायतों पर कार्यवाही करते हुए अली खान को गिरफ्तार किया गया और बाद में उच्चतम न्यायालय ने उन्हें अस्थायी जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। उच्चतम न्यायालय ने यह आदेश भी दिया कि वे इस मुद्दे पर कुछ न लिखें और अपना पासपोर्ट जमा करें। आदेश में कहा गया कि अली खान का पोस्ट 'डॉग विस्सल' है और इससे दबे-छुपे ढंग से कोई गलत सन्देश जा सकता है। हम जानते हैं कि "डॉग विस्सल" ऐसे सन्देश को कहा जाता है जिसमें विवाद पैदा करने वाली बातें परोक्ष ढंग से कही गई हों। न्यायाधीश ने इस पोस्ट को जारी किए जाने के समय और उसके पीछे क्या इरादा था इस पर शंका व्यक्त की। हालांकि जमानत देने का फैसला अत्यंत सराहनीय था। वहीं, बीजेपी के नेता और मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री विजय शाह के इस कथन के लिए भी न्यायालय ने उन्हें कड़ी फटकार लगाई कि सोफिया कुरैशी आतंकवादियों की बहन हैं। बीजेपी नेता का यह कथन संभवतः इस असाधारण सैन्य अधिकारी पर की गई सबसे घृणित टिप्पणी थी। और यह तो निश्चित तौर पर 'डॉग विस्सल' की श्रेणी में आती है। हालांकि न्यायालय ने उनकी क्षमायाचना को खारिज कर दिया लेकिन उनकी गिरफ्तारी पर भी रोक लगा दी। प्रोफेसर खान की पोस्ट तो निश्चित तौर पर डॉग विस्सल नहीं है। वह तो अल्पसंख्यक समुदाय की पीड़ा का इजहार है। इसके विपरीत विजय शाह की 'डॉग विस्सल' नफरत की अभिव्यक्ति है। प्रोफेसर अली खान ने अत्यंत संवेदनशील ढंग से हमें आईना दिखाया है कि देश में अल्पसंख्यकों के साथ किस तरह का व्यवहार हो रहा है। विजय शाह का भाषण इस बात को खुलकर प्रदर्शित करता है कि कैसे हर अवसर का उपयोग अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरत का बीज बोने के लिए किया जाता है। अल्पसंख्यक समुदाय के एक प्रोफेसर को इस बात पर फटकारा जाना एकदम अनुचित है कि उन्होंने बुलडोजरों और लिंचिंग के बारे में कुछ कहा। न्यायालय द्वारा रोक लगाए जाने के बावजूद कई राज्य सरकारों द्वारा बुलडोजरों का इस्तेमाल जारी है। इसी तरह दो व्यंग्यकारों नेहा सिंह राठौर और मदिरी काकोटी, जिन्हें इंटरनेट की दुनिया में डॉ मेडुसा के नाम से जाना जाता है, के खिलाफ भी उनके मोदी सरकार की आलोचना करने वाले सोशल मीडिया पोस्ट, जो पहलगाम आतंकी हमले के बाद जारी किए गए थे, को लेकर प्रकरण दर्ज किए गए। विजय शाह को उनके आपत्तिजनक कथनों के लिए उनकी पार्टी ने क्षमा कर दिया है। न उन्हें पार्टी से निष्कासित या निलंबित किया गया है और ना ही गिरफ्तार किया गया है। अल्पसंख्यकों के खिलाफ बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व से लेकर निचले स्तर तक के नेता जहर उगलते रहते हैं, जिसे न केवल मौन समर्थन दिया जाता है बल्कि यह उनके राजनैतिक करियर के उन्नयन में सहायक होता है। हमें याद है कि 2019 में दिल्ली में हुई हिंसा के कुछ ही समय पहले शांति और सद्भाव की अपीलें करने वाले उमर खालिद और शरजील इमाम पांच सालों से जेल में सड़ रहे हैं और उनके प्रकरणों की सुनवाई तक शुरू नहीं हुई है। वहीं उस समय के राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर को 'गोली मारो' का नारा लगवाने के बाद पदोन्नति देकर कैबिनेट मंत्री बना दिया गया था। हमारे सामाजिक एवं संवैधानिक प्रतिमानों को धर्म में रंगी राजनीति के माध्यम से धीरे-धीरे नष्ट किया जा रहा है। लोकतंत्र को अली खान, उमर खालिद, नेहा सिंह राठौर और हिमांशी नरवाल जैसे लोगों की जरूरत है जो सच्चे दिल से शांति का आव्हान कर रहे हैं और हमें हमारे समाज का आईना दिखा रहे हैं।

(लेख का अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया द्वारा)

संपादकीय

ठोस और सार्थक कदम उठाए जाएं

भारतीय अर्थव्यवस्था की तेज रफ्तार जहां एक ओर पूरी दुनिया को अचंभित करती है, वहीं एक कड़वा सच यह भी है कि करोड़ों परिवार आज भी बहुत मुश्किल से अपना घर चला पा रहे हैं। इनमें से अनेक लोगों को विश्वास है कि वे कर्ज लेकर व्यापार करेंगे, तो अधिक पैसे कमाएंगे और बेहतर भविष्य बनाएंगे। दूसरी ओर, कुछ को लगता है कि भविष्य के बारे में ज्यादा सोचने के बजाय उन्हें वर्तमान में जी लेना चाहिए। मगर स्वास्थ्य और शिक्षा पर खर्च बढ़ने से उनकी चुनौतियां भी लगातार बढ़ रही हैं। महंगाई और घटती आय की वजह से उनमें निराशा है। उनकी उम्मीदें टूटी हैं। चिंता का विषय है कि बैंकों का बकाया न चुकाने के कारण कई परिवार कर्ज में इस तरह डूब जाते हैं, जहां से निकलना उनके लिए संभव नहीं होता। कुछ लोग आत्महत्या जैसे घातक कदम उठा लेते हैं। हरियाणा के पंचकूला में एक ही परिवार के सात लोगों की खुदकुशी ऐसा ही मामला है। सच्चाई यही सामने आई है कि इस परिवार पर बैंक का बहुत सारा पैसा बकाया था, जिसे चुकाना उसके लिए मुश्किल हो गया था। कर्ज में डूबा परिवार रोजमर्रा की जरूरतें भी पूरी नहीं कर पा रहा था। अगर देश के नागरिक घर और वाहन खरीदने के लिए कर्ज ले रहे हैं, तो निश्चित रूप से इसके पीछे बेहतर रोजगार और अच्छी आय की संभावनाएं छिपी हैं। मगर कारोबार के लिए लिया गया कर्ज कोई नहीं चुका पा रहा है, तो इस पर सोचने की जरूरत है कि विकास की तेज रफ्तार के बीच उनका कारोबार क्यों पिछड़ रहा है। अगर व्यापारी कर्ज लेकर भी लागत नहीं निकाल पा रहे हैं, तो इसके पीछे के कारणों को समझने और उनका हल निकालने की जरूरत है। इसके लिए नीति निर्माताओं को ही आगे आना होगा। यह सच भी छिपा नहीं है कि कर्ज में डूबे हजारों किसान खुदकुशी कर चुके हैं। फसलों की लागत न निकल पाने से उनमें भारी निराशा है। छोटे कारोबारियों की स्थिति भी कोई अच्छी नहीं है। जरूरत है कि बेहतर जिंदगी जीने की करोड़ों लोगों की उम्मीदें और सपने बचाने के लिए अब ठोस और सार्थक कदम उठाए जाएं।

बढ़ती आबादी को ताकत बनाने की जरूरत

मोहन गुरुस्वामी

चिंता की बात है कि देश में जनसंख्या की विशालता से मिलने वाला लाभ कहीं आबादी से बना दुःस्वप्न बनकर न रह जाए। लंबे समय से जनसंख्या के आंकड़ों के हिसाब से मिलने वाले फायदे-नुकसानों के बारे में बोलता-लिखता आया हूं। राजनेता और उनके दलाल यह जाने बिना कि शब्दों का अर्थ क्या है, इसको लपक कर दोहराने लगते हैं। चुनौतियां हमारे सामने हैं। वह भारत, जिसकी जनसंख्या 134 करोड़ है, अब विश्व में सबसे अधिक आबादी वाला राष्ट्र है। लेकिन भारत हमेशा इतना बड़ा नहीं था, जितना कि आज है, चाहे यह जनसंख्या हो या अर्थव्यवस्था। वर्ष 1921, जिसे 'विभाजन का बड़ा साल' कहा जाता है, भारत के जनसांख्यिकीय इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। इस साल मृत्यु दर में काफी गिरावट आई और जनसंख्या वृद्धि की दर अपेक्षाकृत स्थिर रहने वाली लीक से हटकर तेजी से बढ़ने होने की शुरुआत हुई। वर्ष 1801-1921 के बीच जनसंख्या वृद्धि की रफ्तार काफी धीमी रही, लगभग 20 करोड़ से 22 करोड़ होना। लेकिन 1921 के बाद से हमारी जनसंख्या बढ़ोतरी वास्तव में आज आकाश को छूने की कगार पर है। जनसंख्या में वृद्धि 1981 में 2.22 प्रतिशत की उच्चतम दर को छू गई थी, उसके बाद से बढ़ोतरी दर घटने की ओर है। एक सदी की अवधि के अंदर, भारत की जनसंख्या में छह गुना इजाफा हुआ। अनुमान बताते हैं कि भारत में पिछले सौ वर्षों में लगभग 200 मिलियन लोग जुड़े और वर्तमान सदी के मध्य तक 200 मिलियन और लोग जुड़ने की उम्मीद है। भिन्न अनुमानों का मध्य आंकड़ा बताता है कि वर्ष 2005-50 के बीच, भारत की जनसंख्या में लगभग 45 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। वृद्ध जनसंख्या (65 वर्ष से अधिक उम्र वाले) का अनुपात 2050 में 5 प्रतिशत से बढ़कर 14.5

प्रतिशत हो जाएगा, संख्या के मुताबिक कहें तो इनकी गिनती 5.7 करोड़ से बढ़कर 24 करोड़ हो जाएगी। उन्नत देशों की बुजुर्ग आबादी के अनुभवों के आधार पर हम यह अनुमान लगा सकते हैं कि वृद्धों की बढ़ती संख्या के लिए हमें कराधान, सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य देखभाल संबंधित अपनी नीतियों में समुचित योजनाएं बनाने की आवश्यकता पड़ेगी। वृद्धों की संभाल पर खर्ची अधिक होता है। चिंता का एक अन्य बड़ा पहलू है बढ़ता जनसंख्या घनत्व। अनुमान है कि जहां यह 2005 में 345 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर था, 2050 में बढ़कर 504 प्रति वर्ग किलोमीटर हो जाएगा। बढ़ते शहरीकरण के चलन के साथ इसे जोड़कर देखने पर, आने वाले सालों में समस्याओं में इजाफे का संकेत मिलता है। साल 2000 में, कुल आबादी का केवल 28.7 प्रतिशत या लगभग 30 करोड़ लोग शहरी क्षेत्रों में बसे हुए थे; अब अनुमान है कि 2030 तक यह संख्या कुल आबादी की 40.7 प्रतिशत या लगभग 60 करोड़ हो जाएगी। इस भारी वृद्धि में विशेष रूप से मध्यम और कामकाजी वर्ग की बढ़ती आर्थिक शक्ति की भूमिका है। इसके मद्देनजर, पर्याप्त रूप से उन्नत आवास एवं शहरी बुनियादी ढांचा, मसलन, जल, सीवरेज, जन सुविधाएं, तीव्र गति परिवहन, यातायात प्रबंधन एवं पार्किंग, ऊर्जा और दूध एवं दुग्ध उत्पाद, प्रसंस्कृत खाद्य व बागवानी उत्पाद जैसे भोज्य पदार्थों की अधिक खपत और उनके कुशल वितरण के लिए प्रावधान करने की आवश्यकता पड़ेगी। अनुमान है कि 15-64 वर्ष आयु वर्ग की गिनती जो कि 2005 में कुल आबादी का 62 प्रतिशत थी, 2050 में बढ़कर लगभग 67.3 प्रतिशत हो जाएगी, संख्या के हिसाब से कहें, तो 70 करोड़ से 112 करोड़ होना। फिलहाल भारत में हर साल कामकाजी वर्ग में 1 करोड़ 20 लाख लोग जुड़ रहे हैं। इस आयु वर्ग में वृद्धि 2030 तक तेज रहेगी, जिसके बाद से इसमें शुरू हुई गिरावट इस स्तर पर पहुंच जाएगी कि 2045-50 के बीच शायद ही कोई वृद्धि हो, जो कि 15-64 जनसंख्या समूह की संख्या में स्थिरीकरण और उसके बाद से इसके बुढ़ाते जाने का संकेत है। यह चक्र प्राकृतिक है क्योंकि जनसंख्या वृद्धि में ठहराव आता रहता है। अगले तीन दशकों की तात्कालिक चुनौती है, पहले करोड़ों नौकरियों का सृजन करना और फिर श्रमिकों की उपलब्धता में तेज गिरावट से निपटना। एनपीपी 2000 में परिकल्पना की गई थी कि वर्ष 2045 तक भारत को जनसंख्या स्थिरीकरण बनाना पड़ेगा। यह लक्ष्य इस धारणा पर आधारित है कि देश को वर्ष 2010 तक जनसंख्या का प्रतिस्थापन स्तर टीएफआर 2.1 तक ले आना चाहिए था। हम यह पाने में चूक गए। हालांकि टीएफआर के हालिया आंकड़े 2045 तक भी इस लक्ष्य की प्राप्ति न हो पाने का संकेत दे रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय अब जनसंख्या स्थिरीकरण पाने के वास्ते वर्ष 2060 को एक संभावित लक्ष्य के रूप में देखने लगा है। यहां पर यह उल्लेख करना उचित होगा कि जनसंख्या स्थिरीकरण, प्रतिस्थापन प्रजनन क्षमता (यानी जितने मरें, उतने पैदा हों) बनने के बहुत बाद जाकर बनता है। वर्ष 1996 में योजना आयोग द्वारा गठित 'जनसंख्या पर तकनीकी समिति' द्वारा किए गए एक अध्ययन में अनुमान लगाया गया था कि भारत 2026 तक प्रतिस्थापन स्तर की प्रजनन दर प्राप्त कर पाएगा। लेकिन, हिंदी भाषी राज्यों में यह बिहार में 2039 तक, राजस्थान 2048 तक, मध्य प्रदेश 2060 से आगे और उत्तर प्रदेश में 2100 के बाद ही संभव होगा। हमें 2060 या 2070 से पहले राष्ट्रीय जनसंख्या स्थिरीकरण पाने की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। ये क्षेत्रीय असमानताएं इन राज्यों में अनुमानित जनसंख्या में खतरनाक वृद्धि के रूप में फलीभूत होंगी। 1991-2050 के दौरान भारत की जनसंख्या में होने वाली 77.3 करोड़ की वृद्धि में अकेले उत्तर प्रदेश का हिस्सा 19.8 करोड़ रहेगा। जोकि सकल राष्ट्रीय जनसंख्या वृद्धि का लगभग एक-चौथाई बनता है। आइए एक नजर डालते हैं कि आने वाले वर्षों में प्रति व्यक्ति आय कितनी रहेगी। साल 2005 में एक शोधपत्र आया था 'क्या भारत एक आर्थिक महाशक्ति बन पाएगा, क्या वास्तव में और इसमें क्या-क्या रूकावट बन सकता है।' विश्व बैंक में भारत के लिएइसके प्रमुख अर्थशास्त्री स्टीफन होवेस ने ऐतिहासिक विकास दरों के आधार पर 2050 तक प्रति व्यक्ति आय का अनुमान लगाया था। यह दर्शाता है कि बिहार, उड़ीसा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल में 2050 में प्रति व्यक्ति आय 1000 अमेरिकी डॉलर सालाना से कम रहेगी, जो कि वर्तमान प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद से कम है। निश्चित तौर पर 2050 में होने वाली आय से तो और भी कम। कोई हैरानी नहीं कि ये सूबे वही हैं, जिनकी जनसंख्या वृद्धि दर बहुत ज्यादा है। वर्ष 2020 में, भारत में 15-24 आयु वर्ग के लोगों की गिनती 24.5 करोड़ से अधिक थी। यदि बचत दरें आज जितनी बनी रहें और 2020 वाली उच्च उत्पादन क्षमता कायम रहे, तब जाकर 2050 तक हमारे पासभारत को एक विकसित और समृद्ध अर्थव्यवस्था बनाने का एक बड़ा अवसर बनेगा। यह तभी संभव होगा यदि हम लोगों को शिक्षित और सशक्त बना पाएंगे। जनसांख्यिकीय आंकड़ों का ऐसा समुच्च्य फिर कभी देखने को नहीं मिलेगा। अगर हमें अगली आधी सदी में गरीबी के मकड़जाल से बाहर निकलना है, तो मानव और आर्थिक विकास में बड़े निवेश करने का समय अभी है। दुर्भाग्य से, ऐसा कोई संकेत मिल नहीं रहा।

(लेखक एक जनबुद्धिजीवी हैं।)

ज्यादा सोने से याददाश्त जाने का खतरा

विजय गर्ग

यह बात तो जगजाहिर है कि नींद पूरी न होने से याददाश्त जाने का खतरा बढ़ सकता है, लेकिन अब वैज्ञानिकों ने पाया है कि बहुत ज्यादा नींद लेना भी इस मामले में उतना ही हानिकारक हो सकता है। शोध में पाया गया है कि नौ घंटे या उससे ज्यादा नींद लेने से याददाश्त में गिरावट देखने को मिली है। यूनिवर्सिटी आफ टेक्सास हेल्थ साइंस सेंटर के वैज्ञानिकों ने अपने शोध में पाया कि लंबी नींद की अवधि याददाश्त के लिए जोखिम कारक हो सकती है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, इस शोध में 27-85 वर्ष की उम्र के 1,853 स्वस्थ वयस्कों का चयन किया गया। यह देखने की कोशिश की गई कि उनकी नींद की अवधि उनके दिमाग को कैसे प्रभावित करती है। इसके बाद हर चार साल में प्रतिभागियों की याददाश्त, तर्कशक्ति और 'दृश्य - स्थानिक जागरूकता व प्रतिक्रिया के मानकों की जांच की गई। हर चार साल में प्रतिभागियों ने एक सर्वेक्षण में भी हिस्सा लिया। इसमें उन्होंने बताया कि वे हर रात कितने घंटे सोए। जांच और सर्वेक्षण से पता चला कि जो लोग दो दशक के अध्ययन के दौरान हर रात नौ या उससे ज्यादा घंटे सोए, उन्होंने चारों परीक्षणों में काफी खराब प्रदर्शन किया। शोध में इसी आधार पर लंबी नींद को

अल्जाइमर के बढ़ते जोखिम से भी जोड़ा गया है। अल्जाइमर रोग याददाश्त का सबसे आम कारण है। यह रोग चिंता, भ्रम और अल्पकालिक स्मृति हानि का कारण बन सकता है। वैज्ञानिकों ने पाया कि सबसे खराब परिणाम उन लोगों में देखे गए जिनमें अवसाद के लक्षण दिखाई दिए और उनमें जो औसतन रात में नौ या उससे ज्यादा घंटे सोते थे। क्यों खतरनाक है ज्यादा सोना विशेषज्ञ पूरी तरह से आश्वस्त नहीं हैं कि अत्यधिक नींद डिमेंशिया में कैसे योगदान दे सकती है। हालांकि स्वीडन के एक शोध ने सुझाव दिया है कि इसका कारण हमारे 'सर्कैडियन' लय पर पड़ने वाले प्रभाव में छिपा हो सकता है। सर्कैडियन लय यानी हमारे सोने और जागने का प्राकृतिक चक्रजो शरीर के कई कार्यों को निर्धारित करता है। स्टाकहोम में कैरोलिंस्का इंस्टीट्यूट के विशेषज्ञों ने तर्क दिया है कि दिन के समय सोने से दिमाग की दिन के दौरान जमा होने वाले अपशिष्ट को साफ करने की क्षमता प्रभावित हो सकती है, लेकिन वैज्ञानिकों ने कहा कि यह भी संभव है कि शुरुआती अल्जाइमर के कारण होने वाली मस्तिष्क क्षति अत्यधिक नींद की आवश्यकता को बढ़ावा दे सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों की मानें तो सभी वयस्कों को रात में कम से कम सात से आठ घंटे की गहरी नींद लेनी चाहिए, ताकि दिमाग दिनभर की जानकारी को अच्छी तरह से रख सके। अगर लोगों को पर्याप्त नींद नहीं मिलेगी तो इससे दिमाग की सेहत पर असर पड़ सकता है। तमाम शोध के आधार पर कहा जा सकता है कि अच्छी नींद दिमाग के लिए बेहद लाभकारी है और यह हमारी याददाश्त को तेज करने में मदद करती है। मालूम हो कि नींद के दौरान दिमाग सक्रिय रहता है, जिससे हम दिनभर की जानकारी को अच्छे से समझ और याद रख सकते हैं। मगर, जरूरत से ज्यादा नींद लेना हानिकारिक है।

(विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट पंजाब)

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक , प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा न्यू लोक भारती प्रेस, वार्ड 10 कोकर औद्योगिक क्षेत्र कोकर रांची से मुद्रित तथा ई -37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित, संस्थापक संपादक :स्व. राधाकृष्ण चौधरी
प्रबंध संपादक : अरूण कुमार चौधरी, फोन: 9471170557/08084674042, ई-मेल : Divyadinkarranchi @ gmail.com,RNI Regd. No. : JHAHIN/2013/54373Postal Registration No. : RN-11/2012)

संक्षिप्त समाचार

सेवानिवृत प्रधानाध्यापक चंद्रभूषण सिंह की विदाई समारोह

दिव्य दिनकर संवाददाता संग्रामपुर।

प्रखंड अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय बढ़ौनियाँ में प्रधानाध्यापक पद पर कार्यरत चंद्रभूषण सिंह शनिवार को अपने सफल कार्यकाल के उपरांत सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षा क्षेत्र से जुड़ी कई प्रमुख हस्तियों और ग्रामीणों ने भाग लिया। चंद्रभूषण सिंह का कार्यकाल न केवल विद्यालय के लिए, बल्कि पूरे प्रखंड के लिए प्रेरणास्रोत रहा। उनके नेतृत्व में विद्यालय की शिक्षा व्यवस्था, अनुशासन और स्वच्छता व्यवस्था जिले में उत्कृष्ट मानी जाती थी। वे अपने सरल, प्रभावी एवं प्रेरणादायक नेतृत्व शैली के लिए विशेष रूप से जाने जाते रहे। समारोह में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी कमलेश कुमार, मुखिया वीर कुंवर, पूर्व मुखिया राजन कुमार सिंह सहित कई विद्यालयों के शिक्षक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने चंद्रभूषण सिंह को पुष्पगुच्छ और उपहार देकर भावभीनी विदाई दी। अपने विदाई संबोधन में चंद्रभूषण सिंह ने कहा कि उन्होंने हमेशा कोशिश की कि कार्य को सरल तरीके से किया जाए और कभी भी अधिकारी बनकर नहीं, बल्कि एक सहभागी बनकर काम किया। उन्होंने कहा कि जब लोगों को यह एहसास हो जाए कि यह कार्य उनका अपना है, तो वे दिल से काम करते हैं। यही सोच लेकर उन्होंने पूरे कार्यकाल में कार्य किया। समारोह भावुक माहौल में सम्पन्न हुआ और चंद्रभूषण सिंह के योगदान को सभी ने हृदय से सराहा। समारोह में उपस्थित पदाधिकारी एवं शिक्षाक गण

शो बड़ी हवेली की छोटी ठकुराईन' शो में जल्द खुलेंगे चमकीली के छिपे राज

शेमारू उमंग के चर्चित शो 'बड़ी हवेली की छोटी ठकुराईन' में हाल ही में जारी प्रोमो ने यह साफ कर दिया है कि जल्द ही एक बड़ा खुलासा होने वाला है, जिसके साथ अब चमकीली के पापों का घड़ा फूटने वाला है। ऐसे में क्या अब चमकीली के कर्मों का फल उसे मिलेगा? या फिर एक बार फिर वो सबको चकमा देकर बच निकलने में कामयाब हो जाएगी? इसी उथल-पुथल के बीच खड़ी है चैना, एक ऐसा किरदार जो सही और गलत के बीच की महीन रेखा पर चलती है वो भी अपने फायदे के लिए नहीं, बल्कि अपने अपनों की रक्षा के लिए। दीक्षा धामी कहती हैं, ₹जब मैंने पहली बार चैना का किरदार पढ़ा, तो मुझे उसमें अच्छाई या बुराई नहीं दिखी बल्कि सिर्फ एक इंसान नजर आई। अगर चैना ने कभी झूठ बोला भी तो सिर्फ अपनों को बचाने के लिए। दीक्षा आगे कहती हैं, चैना की इंसाफ की लड़ाई, मेरे दिल के बहुत करीब है और अब जब चमकीली का राज खुल रहा है, तो असली सवाल ये है कि क्या वो टूट जाएगी या और भी खतरनाक बन जाएगी?

अधिवक्ता पेशा के प्रति आजीवन समर्पित रहे दयापात्र सिंह

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- अधिवक्ता पेशा के प्रति आजीवन समर्पित रहे दयापात्र सिंह,इस बात की जानकारी दयापात्र सिंह के शोकसभा में वक्ताओं ने कहा। लोकसभा अधिवक्ता संघ भवन औरंगाबाद में अध्यक्ष संजय सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। सचिव सिद्धेश्वर विद्यार्थी ने बताया कि दया पात्र सिंह 1996 में अधिवक्ता संघ के सदस्य के रूप में अधिवक्ता पेशा की शरूआत की तथा आजीवन अधिवक्ता पेशा के प्रति समर्पित रहे । पूर्व अध्यक्ष इन्द्र देव यादव,प्रो दिनेश प्रसाद,जयकृष्ण सिंह , प्रभात सिंह , उच्च न्यायालय अधिवक्ता सुनील कुमार, अधिवक्ता कल्याण समिति अध्यक्ष रामाश्रय पांडे सचिव अजीत कुमार सिंह ने बताया कि वे सरल और सहज स्वभाव के आदमी ने । यही कारण है कि उनसे सभी खुश रहते थे । अधिवक्ता मधूरेन्द्र सिंह , शक्ति मेहता , सुरेंद्र मेहता गिरजेश नारायण सिंह, शिवम सिंह आलोक कुमार यशवंत कुमार ने बताया कि वे संघ के विकास में हमेशा प्रयासरत रहे । अंत में उनकी दिवंगत आत्मा की शांति और उनके परिवार को इस बिपति को सहने की शक्ति भगवान दें इसके लिए दो मिनट का मौन रखकर भगवान से प्रार्थना की गयी । पुनः प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अध्यक्षता में उनके न्यायालय कक्ष में दया पात्र की बयक्ति और कृतित्व पर चर्चा करते हूये शोक सभा आयोजित हुई।शोकसभा में अंजनी श्रीवास्तव, बिनोद यादव, अनील कुमार सिंह बिट्टू कुमार सिंह सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

अभिभावक शिक्षक संगोष्ठी बच्चों के सर्वांगीण विकास में काफी प्रभावी :- डीईओ

पीएम श्री अनुग्रह मध्य विद्यालय में बड़ी संख्या में रही पेरेंट्स की भागीदारी

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय स्थित पीएम श्री अनुग्रह मध्य विद्यालय में अभिभावक शिक्षक संगोष्ठी का शुभारंभ जिला शिक्षा पदाधिकारी सुरेंद्र कुमार एवं विद्यालय के प्रधानाध्यापक उदय कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किए। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बड़ी संख्या में उपस्थित अभिभावकों का अभिनंदन किया एवं कहा कि उनके सक्रिय भागीदारी से बच्चों में एक एक गुणात्मक बदलाव लाया जा सकता है। उन्होंने अपील किया कि सरकार एवं विभाग द्वारा लगातार मुहैया कराया जा रहे अनेकानेक सुविधाओं का तभी सार्थकता होगी जब अभिभावक विद्यालय एवं बच्चों से जुड़ाव रखेंगे। उन्होंने कहा कि सरकारी विद्यालय में वह भी पढ़े है और उनके अभिभावक भी बहुत पढ़े लिखे नहीं थे लेकिन वे मेरी पढ़ाई के प्रति सजग थें और नित्य ब्रह्म मुहूर्त में साथ जागकर अध्ययन के प्रति सचेत रखते थे।डीईओ ने पेरेंट्स को भी वैसे ही सचेत रहने हेतु कहा एवं बच्चों को मोबाइल से दूर रहने की भी नसीहत दी।प्रधानाध्यापक उदय कुमार सिंह का विद्यालय के उन्नयन में सार्थक भूमिका निर्वाहन के लिए डीईओ ने प्रशंसा किया।प्रधानाध्यापक ने अभिभावकों को नियमित पीटीएम में आने को कहा एवं बच्चों की पढ़ाई को अपनी प्राथमिकता सूची में रखने को कहा। बच्चों को समर वेकेशन की छुट्टियों में हैप्पी रीडिंग की आदत को डालने को कहा।प्रधानाध्यापक उदय कुमार सिंह ने बड़ी संख्या में आए पेरेंट्स को स्कूल का भ्रमण कराने के क्रम में लाइब्रेरी, कॉन्फ्रेंस रूम, कंप्यूटर रूम, स्मार्ट क्लास, वीसी नोड, वाटर कूलर प्लांट आदि को दिखलाया। अभिभावकों ने विद्यालय की अच्छी आधारभूत सुविधाओं एवं शैक्षणिक माहौल को सराहा। पीटीएम को प्रभावी तरीके से संपन्न कराने में वरीय शिक्षक योगेंद्र कुमार पाल, मंजु कुमारी, शारदा सिंह,करुणा सिन्हा, नैयर शाहीन, मीना कुमारी, आभा कुमारी, प्रभावती कुमारी, चंद्रमा कुमारी आदि में महत्वपूर्ण भूमिका अदा किए।

कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रणव झा का देवघर एयरपोर्ट पर कांग्रेसियों ने किया स्वागत

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर एयरपोर्ट पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रणव झा का देवघर जिला कांग्रेस के नेताओं तथा कार्यकताओं द्वारा स्वागत किया गया। श्री झा का आगमन दिल्ली वाली शाम की फ्लाइट से देवघर एयरपोर्ट पर हुई। जहां देवघर जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष डॉ मुन्नम संजय तथा जिलाध्यक्ष प्रो उदय प्रकाश के नेतृत्व में दर्जनों कांग्रेस के प्रमुख नेताओं ने राष्ट्रीय प्रवक्ता को पुष्ट गुच्छ भेंट कर उनका स्वागत एवं अभिनन्दन किया। वहां के बाद वो सीधे देवघर सर्किट हाउस के लिए प्रस्थान कर गए जहां वो रात्रि विश्राम करेंगें। इस दौरान जिला महासचिव-सह-प्रवक्ता दिनेश कुमार मंडल, नगर अध्यक्ष रवि केसरी, सोसल मीडिया प्रभारी अमित कुमार पांडेय, युवा जिलाध्यक्ष राहुल सिंह उर्फ कुमार राज,चंदन कुमार आदि आदि मौजूद थे।

कोल काली में रामधुन संकीर्तन सह महायज्ञ 5 जून से

दिव्य दिनकर (पवन कुमार चौधरी)

जमालपुर। महाभारत कालीन काली पहाड़ की तराई में धरहरा प्रखंड क्षेत्र के अमझर में स्थित कोल काली में आगामी 5 जून से 9 जून तक अखंड रामधुन संकीर्तन सह महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। जानकारी देते हुए अध्यक्ष रविन्द्र प्रसाद यादव, सचिव शंभू पासवान तथा कार्यकारिणी सदस्य राजद नेता बमबम यादव ने कहा कि अमझर कोल काली पूजा समिति की ओर से प्रत्येक वर्ष 5 जून को अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस के अवसर पर अखंड रामधुन संकीर्तन सह महायज्ञ का आयोजन किया जाता है। गुरुवार 5 जून को कलश शोभायात्रा के साथ पांच दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। गुरुवार की संध्या बेला में वैदिक रीति रिवाज से महायज्ञ का आरंभ होगा। 72 घंटों तक चलने वाले इस महायज्ञ के दौरान रामधन संकीर्तन का भी आयोजन किया जाएगा। 8 जून की संध्या में अखंड राम धुन संकीर्तन तथा महायज्ञ का समापन होगा। इस दौरान जमालपुर एवं आसपास के क्षेत्र से आए श्रद्धालु भक्तों के बीच महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा। 9 जून को कलश विसर्जन के साथ दिवस के कार्यक्रम का समापन होगा।

सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं मीना बाजार का आनन्द लेंगे श्रद्धालु

5 जून से अमझर कोल काली में आरंभ हो रहे पांच दिवसीय कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम श्रद्धालु भक्तों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। आयोजन समिति की ओर से जमालपुर, मुंगेर, धरहरा एवं आसपास के क्षेत्र से आने वाले

श्रद्धालु भक्तों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। साथ ही साथ, मेले में आने वाले बच्चों युवाओं एवं महिलाओं के मनोरंजन के लिए मीना बाजार की भी व्यवस्था होगी। जिसमें तरह-तरह के झूले और तारामाची, बच्चों के लिए खिलौने की दुकान, खाने-पीने के लिए विभिन्न व्यंजनों के स्टॉल लगाए जाएंगे।

विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों के द्वारा चलाया जाएगा पौधारोपण कार्यक्रम

आगामी 5 जून को अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस का मौके पर विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों के द्वारा विशेष रूप से आधार ओपन कार्यक्रम चलाया जाएगा। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी सोशल मीडिया प्रकोष्ठ की प्रदेश सचिव मानसी कुमारी ने बताया कि पर्यावरणविद् पिंकी पांडेय के सहयोग से कोल काली क्षेत्र को हरा-भरा बनाए रखने के उद्देश्य से 5 जून को अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस के मौके पर विशेष पौधारोपण अभियान के तहत सैकड़ो पौधे लगाए जाएंगे। जिसमें नीम, बरगद, पीपल, सहजन, कटहल, आम, देवदार जैसे महत्वपूर्ण वृक्ष शामिल है।

चार विद्यालय में एचपीवी टीकाकरण अभियान का किया गया शुभारंभ

मुंगेर। शनिवार को मुंगेर जिला अंतर्गत विद्यालय में मुख्यमंत्री बालिका कैंसर प्रतिरक्षण योजना के तहत पैपिलोमा वायरस एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ सदर प्रखंड अंतर्गत चार पंचायत के प्लस टू उच्च विद्यालय में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने अभियान की शुरूआत की गई। पदाधिकारी ने बताया कि यह टीका विशेष रूप से सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षा करता है। यह महिलाओं में एक गंभीर और जानलेवा बीमारी है। इस योजना के तहत 9 वर्ष से 14 वर्ष के बालिकाओं को यह टीका लगाया जाएगा। वही इस अभियान की निगरानी हेल्थ मैनेजर रवि कुमार स्वयं विद्यालय पहुंचकर कर रहे थे। मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक कृष्ण मुरारी कुमार सहित अन्य सभी विद्यालय के प्रभारी उपस्थित रहे।

राजद नगर अध्यक्ष का चुनाव आज, वार्ड स्तरीय डेलीगेट चुनाव में लेंगे हिस्सा

जमालपुर। राष्ट्रीय जनता दल प्रदेश कमेटी के निर्देश पर मुंगेर जिलांतर्गत जमालपुर नगर राष्ट्रीय जनता दल के नगर अध्यक्ष पद के लिए रविवार को लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव कराया जाएगा। जानकारी देते हुए राष्ट्रीय जनता दल बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के नेता सेवानिवृत्त अधिकारी अशोक कुमार यादव ने कहा कि विगत सप्ताह राष्ट्रीय जनता दल की ओर से वार्ड स्तरीय डेलीगेट का चुनाव सम्पन्न कराया गया था। चयनित डेलीगेट के सहयोग से राजद के नगर अध्यक्ष का चुनाव किया जाना है। जमालपुर नगर अध्यक्ष चुनाव के लिए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रूप में अनिल कुमार भूषण तथा सहायक निर्वाचन पदाधिकारी के रूप में कंचन रजक को पार्टी की ओर से जिम्मेदारी सौंपी गई है। जमालपुर में राजद के संघटनात्मक चुनाव पर पार्टी आला कमान की है विशेष निगरानी 2022 में संपन्न हुए जमालपुर नगर राजद के संघटनात्मक चुनाव के दौरान मंटू यादव गुट के द्वारा की गई मारपीट की घटना को ध्यान में रखते हुए पार्टी की ओर से इस बार जमालपुर नगर राजद पद के लिए हो रहे संगठात्मक चुनाव पर विशेष निगरानी रखी गई है। नगर अध्यक्ष चुनाव से पहले दिल्ली गेट का चुनाव कराया गया। यही डेलीगेट जमालपुर नगर कमेटी के नए अध्यक्ष का चुनाव करेंगे। नगर अध्यक्ष चुनाव के लिए इससे पहले 27 मई की तारीख तय की गई थी। परंतु, किसी भी विवाद को रोकने के लिए नगर अध्यक्ष का चुनाव रद्द कर डेलीगेट का चुनाव कराया गया। इसी आधार पर, नगर अध्यक्ष चुनाव के लिए अगली तारीख 31 मई तय की गई। परंतु, पारदर्शी एवं निष्पक्ष चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करने के उद्देश्य से तीसरी बार चुनाव की तारीख में बदलाव करते हुए 1 जून का दिन संगठनात्मक चुनाव के लिए तय किया गया है। ईस्ट कॉलनी बंगाली दुर्गा स्थान, जमालपुर नगर के प्रांगण में पार्टी के वरीय पदाधिकारियों तथा चुनाव पदाधिकारी की मौजूदगी में संगठनात्मक चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई जाएगी।

भाजपा की संयुक्त कार्यसमिति बैठक आयोजित, संगठन विस्तार पर जोर

दिव्य दिनकर संवाददाता संग्रामपुर।

शनिवार को प्रखंड मुख्यालय स्थित भाजपा कार्यालय में भारतीय जनता पार्टी के ग्रामीण मंडल एवं नगर पंचायत मंडल की संयुक्त कार्यसमिति बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रखंड स्तरीय भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता ग्रामीण मंडल अध्यक्ष विनय सिंह ने की। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, हर बूथ पर अधिक से अधिक कार्यकताओं को जोड़ने तथा केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम जनता तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। साथ ही, यह भी तय किया गया कि जो लाभार्थी अब तक योजनाओं से वंचित हैं, उन्हें शत-प्रतिशत लाभ दिलाने के लिए

कार्यकर्ता सक्रिय भूमिका निभाएंगे। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए नगर और ग्रामीण क्षेत्रों के प्रत्येक बूथ पर डोर-टू-डोर जनसंपर्क अभियान चलाने की रणनीति बनाई गई। इस दौरान कार्यकर्ता राज्य सरकार की विफलताओं के साथ-साथ केंद्र की डबल इंजन सरकार के विकास कार्यों की जानकारी जन-जन तक पहुंचाएंगे। बैठक में नगर मंडल अध्यक्ष राकेश रौशन उर्फ बमबम, भाजपा नेता राणा कुमार सिंह, नीतीश राणा, पिंटू कुमार सिंह, राजेश कुमार सिंह, सुमित कुमार रजक, रामखेलावन शर्मा, मनोज साह, त्रिलोचन सिंह, रजनीश कुमार, पुरुषोत्तम शर्मा समेत कई कार्यकर्ता उपस्थित थे। बैठक का समापन संगठन विस्तार और जनसंपर्क को लेकर एकजुटता के संकल्प के साथ किया गया।

जिला पदाधिकारी द्वारा डॉ.अंबेडकर समग्र सेवा अभियान के अंतर्गत महादलित टोलों में विशेष विकास शिविर का निरीक्षण किया गया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला के हसपुरा प्रखंड अंतर्गत महादलित टोला सोनहथु एवं चौराही में डॉ. अंबेडकर समग्र सेवा अभियान के तहत आयोजित विशेष विकास शिविर का निरीक्षण जिलाधिकारी श्रीकान्त शास्त्री (भा.प्र.से.) द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने उपस्थित विभागीय पदाधिकारियों से शिविर में प्राप्त आवेदनों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने पाया कि अधिकांश आवेदन राशन कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, आधार नामांकन, प्रधानमंत्री आवास योजना, हर घर नल-जल योजना, नाली-गली योजना एवं आयुष्मान भारत योजना से संबंधित हैं। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी आवेदनों को पोर्टल पर तत्क्षण अपलोड करते हुए उनका ऑन-द-स्पॉट निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि लाभार्थियों को त्वरित लाभ प्राप्त हो सके। शिविर का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समुदाय के वंचित परिवारों को सरकारी योजनाओं का शीघ्र, समावेशी एवं व्यापक लाभ प्रदान करना है, जिससे उन्हें सामाजिक एवं आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ा जा सके। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने

ग्रामीणों से संवाद स्थापित कर उन्हें सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया तथा योजनाओं का लाभ लेने हेतु आवेदन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रारंभ डॉ. अंबेडकर समग्र सेवा अभियान का उद्देश्य समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक सरकारी सेवाओं की सीधी पहुंच सुनिश्चित करना है। शिविर स्थल पर जिलाधिकारी श्री श्रीकान्त शास्त्री द्वारा लाभार्थियों के बीच आयुष्मान भारत कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, राशन कार्ड इत्यादि का वितरण भी किया गया। इससे लाभार्थियों को मौके पर ही योजनाओं का वास्तविक लाभ प्राप्त हुआ। शिविर में विभिन्न विभागों की सहभागिता रही तथा लाभार्थियों के ऑन-द-स्पॉट पंजीकरण, दस्तावेज सत्यापन एवं सेवा वितरण की प्रक्रिया पूर्ण पारदर्शिता एवं सुगमता के साथ संपन्न हुई। इस प्रकार के शिविरों से न केवल सेवाओं की पहुंच सुगम होती है, अपितु आमजन में प्रशासन के प्रति विश्वास भी सुदृढ़ होता है। जिलाधिकारी ने जानकारी दी कि इस प्रकार के विशेष शिविरों का आयोजन जिले के सभी प्रखंडों में प्रत्येक बुधवार एवं शनिवार को किया जा रहा है, जिसकी शुरूआत दिनांक 19 अप्रैल 2025 से की गई है। इन शिविरों के माध्यम से कुल 22 चयनित सेवाओं के तहत पात्र लाभार्थियों को आच्छादित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अंत में जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे समन्वय, तत्परता एवं उत्तरदायित्व की भावना के साथ कार्य करते हुए शिविरों को सफल बनाएं, क्योंकि सरकार का उद्देश्य है कि अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंच सके।

संक्षिप्त समाचार

मध्य विद्यालय धनौती धर्मपुरा में शिक्षक अभिभावक गोष्ठी आयोजित किया गया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के बारुण प्रखंड अंतर्गत राजकीय मध्य विद्यालय धनौती धर्मपुरा में बिहार सरकार शिक्षा विभाग के निदेर्शानुसार अभिभावक शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रभारी प्रधानाध्यापक बबन प्रसाद के अध्यक्षता में आयोजित गोष्ठी का संचालन शिक्षक सतीश कुमार पांडेय द्वारा किया गया गोष्ठी में शिक्षकों एवं अभिभावकों ने विचार समन्वय किया एवं छात्र हित में विभिन्न निर्णय लिए गए।विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक बबन प्रसाद के द्वारा सभी अभिभावकों से सहयोग की अपील की गई।वहीं विद्यालय के वरीय शिक्षक प्रशांत प्रियदर्शी के द्वारा विद्यालय में सरकार के द्वारा संचालित सभी योजनाओं एवं आज के मुख्य उद्देश्यों पर प्रकाश डाला गया। इस मौके पर विद्यालय के शिक्षक भृगुनाथ प्रसाद, गणेश शर्मा, बृजमोहन सिंह, संजय सिंह, शोभा कुमारी, एकता यादव, वन्दना देवी,एवं दीपक कुमार मौजूद रहें। आज के बैठक में अभिभावकों ने भी अपनी राय मशविरा साझा की।जिसमें अभिभावक काशीनाथ पांडेय, युगेश सिंह,शंभू प्रजापति, मुन्ना पाल, अंजू देवी, उषा देवी, राजदेव राम, आनंद राजवंशी, सोनी देवी, प्रतिमा देवी आदि मौजूद रहें।

आधार निगरानी समिति की समीक्षा बैठक आयोजित, उपायुक्त ने जल्द निष्पादन के दिए निर्देश

साहिबगंजः उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में गोपनीय कार्यालय में आधार निगरानी समिति की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में आ रही आधार से जुड़ी विभिन्न शिकायतों की समीक्षा की गई तथा इनके त्वरित निपटारे हेतु संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।उपायुक्त ने कहा कि आम जनता की सुविधाओं से जुड़ी आधार सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने विशेष रूप से उन शिकायतों का जिक्र किया जिनमें आधार अपडेट, नाम सुधार, बायोमेट्रिक त्रुटि तथा विलंब से आधार जारी होने की बात सामने आई है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी लंबित मामलों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करें। पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि जिले में 08 प्रखंडों में आधार केन्द्र संचालित है। बैठक में जिले में संचालित आधार केन्द्रों की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने कहा कि सभी केन्द्रों पर आधार पंजीकरण और अद्यतन कार्य मानकों के अनुरूप होना चाहिए। इस मौके पर जिला शिक्षा पदाधिकारी दुगार्नंद झा, जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी चित्रा यादव, वक्कअकके परियोजना पदाधिकारी संदीप कुमार, तथा अग्रणी बैंक प्रबंधक सुधीर कुमार उपस्थित थे। सभी अधिकारियों ने अपने-अपने स्तर से आधार से जुड़ी गतिविधियों की प्रगति से उपायुक्त को अवगत कराया।

बांका के गौरीपुर गांव को 15 दिनों में पेयजल संकट से मिली आजादी, हर घर तक पहुंचा नल का जल

पटनाः बांका जिला के दोमुहान पंचायत के गौरीपुर गांव में देश की आजादी के 77 वर्ष बाद एक नई सुबह ने दस्तक दी है। अब गांव की महिलाओं को नदी का बालू खोदकर चुआरी से पीने और खाना बनाने के लिए पानी का इंतजाम करने वाली समस्या से मुक्ति मिल चुकी है। गौरीपुर गांव में महज 15 दिनों के अंदर लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के प्रयास से न केवल तीन चापाकल स्थापित किए गए बल्कि गांव के कुल 210 घरों में हर घर नल का जल निश्चय योजना के तहत पाइप लाइन के माध्यम से पीने के शुद्ध पानी की आपूर्ति शुरू कर दी गई है। इस गांव में पेयजल की समस्या कोई नई नहीं थी। बताया जाता है कि आजादी से पहले और उसके बाद भी लोगों को पीने के पानी के लिए नदियों की रेत खोदकर चुआरी से पानी एकत्र करना पड़ता था। इसके अलावा गांव के कुछ पुराने कुओं पर ग्रामीणों का जीवन निर्भर था। ऐसा नहीं है कि बांका जिले के दोमुहान पंचायत का गौरीपुर गांव सूबे के किसी सुदूर गांव में शामिल है। यह गांव बांका जिला मुख्यालय से महज 12 किलोमीटर की दूरी पर अवस्थित है। लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग को इसकी जानकारी बांका के जिलाधिकारी के माध्यम से प्राप्त हुई थी। उपलब्ध कराई गई जानकारी पर विभाग ने त्वरित संज्ञान लेते हुए अपनी कार्रवाई शुरू की। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की हर घर नल का जल निश्चय योजना के तहत गौरीपुर गांव के कुल 210 घरों में पाइप लाइन के माध्यम से 1,000 से ज्यादा लोगों को अब सीधे घरों में ही शुद्ध पेयजल की आपूर्ति हो रही है। इतना ही नहीं, ग्रामीणों की सुविधा के लिए गांव के बसावट के समीप तीन चापाकल भी स्थापित किए गए हैं। ताकि ग्रामीणों को बिजली के अभाव में भी जल संकट का सामना न करना पड़े। अब गांव की महिलाओं को चुआरी से पानी एकत्र करने की पुरानी समस्या से पूरी तरह आजादी मिल चुकी है। इस पहल के लिए गौरीपुर गांव के निवासियों ने विभाग को सार्वजानिक धन्यवाद ज्ञापन भी दिया है। इस सन्दर्भ में मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग,नीरज कुमार सिंह ने कहा कि, ₹मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य सरकार सभी ग्रामीण परिवारों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के प्रति संकल्पित है। विभाग की प्राथमिकता है कि किसी भी पेयजल संबंधित शिकायत पर त्वरित कार्रवाई हो और हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचे।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर बन रहा है औरंगाबाद जिले का महिला संवाद कार्यक्रम

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले में महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहल के रूप में ₹महिला संवाद₹ कार्यक्रम निरंतर प्रगति कर रहा है। दिनांक 31 मई 2025 को जिले के सभी ग्यारह प्रखंडों के चयनित कुल तीस ग्राम संगठनों में महिला संवाद का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बिहार सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं से सीधा संवाद स्थापित करने हेतु चलाया जा रहा है, जो न केवल राज्य की महिला सशक्तिकरण नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य कर रहा है, बल्कि महिलाओं को अपने विचार, समस्याएँ, अनुभव और अपेक्षाएँ सरकार के समक्ष रखने का मंच भी प्रदान कर रहा है। अब तक औरंगाबाद जिले के कुल 1240 ग्राम संगठनों में महिला संवाद का आयोजन किया जा चुका है। जिले में प्रतिदिन दो पालियों में 15 महिला संवाद रथों का संचालन किया जा रहा है, जो निर्धारित ग्राम संगठनों में जाकर महिलाओं के साथ संवाद स्थापित कर रहे हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक स्वावलंबन आदि से जुड़ी जानकारी सीधे महिलाओं तक पहुँचाई जा रही है। महिलाओं द्वारा इन योजनाओं से प्राप्त लाभ की जानकारी भी साझा की जा रही है और योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु सुझाव भी संजीदगी से प्रस्तुत किए जा रहे हैं।

महिला संवाद कार्यक्रम ने ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं के भीतर आत्मविश्वास का संचार किया है और उन्हें अपने जीवन की दिशा निर्धारित करने का अवसर प्रदान किया है। महिलाएँ अब न केवल

अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो रही हैं, बल्कि अपने गाँव और समाज के विकास में सक्रिय भागीदारी भी सुनिश्चित कर रही हैं। इस संवाद के माध्यम से अभी तक कुल 31,696 अपेक्षाएँ मोबाइल ऐप के माध्यम से दर्ज की जा चुकी हैं, जिन्हें आगे की नीति और योजनाओं के निर्माण में उपयोग किया जाएगा। महिला संवाद रथ के माध्यम से विभिन्न योजनाओं पर आधारित प्रेरणात्मक लघु फिल्मों का प्रदर्शन किया जा रहा है, जिससे महिलाएँ योजनाओं के वास्तविक प्रभाव और उपयोगिता को समझ पा रही हैं। साथ ही, योजनाओं से संबंधित प्रचार सामग्री और जानकारीपरक लीफलेट का वितरण किया जा रहा है, ताकि जो महिलाएँ अब तक लाभ से वंचित हैं, वे जागरूक होकर आगे आ सकें और योजनाओं का लाभ उठा सकें। मुख्यमंत्री, बिहार श्री नीतीश कुमार द्वारा महिलाओं के नाम प्रेषित विशेष संदेश भी महिला संवाद के माध्यम से सभी ग्राम संगठनों में साझा किया जा रहा है, जो उन्हें प्रेरणा देने का कार्य कर रहा है। आज हसपुरा प्रखंड अंतर्गत चनहट पंचायत के मनोरमा ग्राम संगठन में आयोजित महिला संवाद कार्यक्रम विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा, जहाँ जिला पदाधिकारी श्री श्रीकांत शास्त्री स्वयं उपस्थित होकर कार्यक्रम की समीक्षा और सहभागिता सुनिश्चित की। उनके साथ अनुमंडल पदाधिकारी दाउदनगर श्री अमित राजन, प्रखंड विकास पदाधिकारी हसपुरा श्री प्रदीप कुमार एवं प्रखंड परियोजना प्रबंधक श्री आलोक कुमार भी उपस्थित रहे। जिला पदाधिकारी महोदय ने उपस्थित महिलाओं को राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी और छात्रवृत्ति योजना, स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, बालिका शिक्षा योजना जैसे कल्याणकारी कार्यक्रमों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने यह भी बताया कि बिहार सरकार महिलाओं के सर्वांगीण विकास और सामाजिक, आर्थिक व शैक्षणिक सशक्तिकरण हेतु सतत प्रयासरत है। महिला संवाद कार्यक्रम औरंगाबाद जिले में नारी शक्ति को पहचान, अवसर और आवाज देने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हो रहा है। यह कार्यक्रम महिलाओं को जागरूक करने, उन्हें संगठित करने और उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का सशक्त माध्यम बन चुका है। आने वाले समय में इस अभियान को और अधिक प्रभावी व व्यापक बनाने की दिशा में जिला प्रशासन प्रतिबद्ध है।

दानिका के संस्थापक यमुना राम जी की तीसरी पुण्यतिथि पर कवि सम्मेलन

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय स्थित दानी विगहा के समीप दानिका संगीत महाविद्यालय के प्रांगण में दानिका के संस्थापक पूर्व अध्यक्ष यमुना राम जी की तीसरी पुण्यतिथि पर विचार गोष्ठी एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रथम सत्र विचार गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व हेड मास्टर विगन बैठा, रंगमंच के सिद्धहस्त कलाकार मथुरा रंजन,दानिका के डायरेक्टर डॉ रविंद्र कुमार केंद्राधीक्षक शशि देवी, समाजसेवी दिनेश राम,राजू सिंहा, शिक्षक अरविंद कुमार, डॉ अरविंद कुमार, पत्रकार सूरज पांडेय सहित अन्य लोगों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। उपस्थित सभी लोगों ने यमुना राम जी के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया तत्पश्चात उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व प्रकाश डालते हुए वक्ताओं ने कहा कि यमुना राम

जी बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि के कलाकार के रूप में जाने जाते थे।नृत्य वाद्य एवं संगीत जैसी विधाओं में उन्हें महारत हासिल थी। सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया करते थे। शिक्षा के प्रति उनकी गहरी अभिरुचि थी तभी तो उनके चारों पुत्र सार्वजनिक क्षेत्र के अच्छे पदों पर आसीन हैं।कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।कवि सम्मेलन की अध्यक्षता जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के महामंत्री धनंजय जयपुरी द्वारा किया गया जबकि संचालन की जिम्मेवारी सचिव विनय मामूली बुद्धि ने निभाई।कवि एवं लेखक सुरेश विद्यार्थी द्वारा सरस्वती वंदना विद्या के देवी माई हंस की सवारी कवि सम्मेलन की शुरूआत की गई।नागेंद्र केसरी ने सुनाऊं रात का किस्सा पाठ किया तो जनार्दन मिश्र जलज ने दिन अब बड़े हुए रात अब छोटी हुई शीर्षक कविता पाठ किया तो अनुज बेचैन द्वारा जब मां ने सिंदूर लगाया था पिता को हषार्या था काव्य पाठ किया।मथुरा रंजन ने घर में एगो दाना नईखे पॉकेट में सैयां मोबाइल लेके मेला घुमे पाठ किया।विनय मामूली बुद्धि ने एक बार खोजिए तो आज आप कहां हैं के काव्य पाठ पर खूब तालियां बजी।धनंजय जयपुरी द्वारा बाबूजी देख ताक के हमर करा दा शादी पाठ किया तो लोग हंसते-हंसते लोटपोट हो गए। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए डॉ रविंद्र कुमार ने दानिका के विविध कार्यक्रमों का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह संस्था जरूरतमंद लोगों के लिए हमेशा खड़ी रहती है यहां से सैकड़ो विद्यार्थी संगीत की शिक्षा पाकर नौकरी कर रहे हैं।मौके पर प्रेम प्रकाश, मिथिलेश कुमार, वेद प्रकाश ,सविता सिंहा,शिवांगी सिंह,अंजली सिंह,किशन प्रवाल सहित अन्य उपस्थित थे।

भाजपा के जिला प्रवक्ता आदित्य श्रीवास्तव ने प्रेस रिलीज के माध्यम से माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दो दिवसीय बिहार यात्रा को ऐतिहासिक बताया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- भारतीय जनता पार्टी के जिला प्रवक्ता आदित्य श्रीवास्तव ने अपने प्रेस रिलीज के माध्यम से देश के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दो दिवसीय बिहार यात्रा को ऐतिहासिक यात्रा बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री का यह यात्रा बिहार को विकास की तेज गति देने वाला यात्रा था, हवाई,रेल ,सड़क और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में चतुर्दिक विकास से मुद्दाविहीन विपक्ष बौखलाया हुआ है। अपने दो दिवसीय बिहार दौरा के दौरान देश के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार को 50000 करोड़ से अधिक की सौगात देकर बना केवल बिहार के सम्यक एवं संतुलित विकास को गति दी है। बल्कि विपक्ष को खरा जवाब दिया है, अपनी बिहार यात्रा दूसरे दिन शुक्रवार को प्रधानमंत्री ने रोहतास में 48,520 करोड रुपए से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास, लोकार्पण किया। इसकी कुल पटना में उन्होंने हार्डिंग पार्क टर्मिनल प्लेटफार्म की शिलान्यास के साथी सोन नगर और मोहम्मदगंज के बीच तीसरी रेल लाइन तथा सासाराम अनुग्रह रोड तक ऑटोमेटिक सिग्नलिंग राष्ट्रपति समर्पित कर बिहार में रेलवे के विकास एवं विस्तार करने द्वारा को खोल दिया। बिजली के क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देते हुए उन्होंने औरंगाबाद के नबीनगर में 29,930 करोड रुपए से अधिक की लागत वाली सुपर थर्मल पावर परियोजना की द्वितीय चरण 3 गुना 800 मेगावाट की आधारशिला रखी जिसका उद्देश्य बिहार और पूर्वी भारत के लिए सुरक्षा सुनिश्चित करना है। बिहार में सड़क और अवसंरचना और संपर्क को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच 119 ए के पटना आरा सासाराम खंड को चार लेन का बनाने वाराणसी रांची कोलकाता राजमार्ग एनएच 319 वी और रामनगर कच्ची दरगाह खंड एनएच 119 डी छह लेन का बनाने तथा बक्सर और भरौली के बीच एक नए गंगा पुल के निर्माण सहित विधि सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास किया। ये परियोजनाएं राज्य में निर्बाध हाई स्पीड कॉरिडोर बनाने के साथ-साथ व्यापार और क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा देने में सहायक होगी। बिहार के बढ़ते हुए गति की तेज रफ्तार को देखकर विपक्ष बौखलाया हुआ है, बिक्रमगंज की जनसभा के समर्थन ने विपक्ष को संकेत दे दिया है इस बार भी बिहार में एनडीए की सरकार बना तय है।

विश्व तम्बाकु दिवस पर शपथ समारोह का आयोजन

शौख कब लत में परिवर्तित हो जाता है इसका पता ही नहीं चलता

प्रत्येक लोगो को इसके दुष्प्रभाव से अवगत कराने हेतु व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता- जिला जज।

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :-जिला विधिक सेवा प्राधिकार औरंगाबाद एवं प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकार स्थित विधिक सेवा में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर शपथ समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें सभी न्यायिक पदाधिकारीगण, न्यायालय के कर्मीगण, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कर्मीगण पैनल अधिवक्तागण उपस्थित हुए। विश्व तम्बाकु दिवस पर आयोजित शपथ समारोह का संचालन कानूनी रक्षा बचाव प्रणाली के अधिवक्ता अभिनन्दन कुमार द्वारा किया गया।

इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह प्राधिकार के अध्यक्ष श्री राज कुमार ने उपस्थित लोगों को अपने सम्बोधन में कहा कि हर साल 31 मई को विश्व तम्बाकु दिवस मनाया जाता है इस दिन को मनाने की शुरूआत विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 1987 में की थी। पुरी दुनिया में प्रति वर्ष लगभग 80 लाख लोग तम्बाकू के प्रयोग के कारण मर जाते हैं इसलिए इस दिन को मनाने के पीछे का ध्येय यहीं है कि आम जनता तम्बाकू से होने वाले नुकसान को जाने और

तम्बाकू से बने पदार्थो से दूर रहें। तम्बाकू एक धीमा जहर है जो सेवन करने वाले व्यक्ति को धीरे-धीरे करके मौत के मुंह में धकेलता रहता है और लोग जाने-अंजाने में तम्बाकू उत्पादों का सेवन करते रहते हैं और धीरे-धीरे शौक कब लत में परिवर्तित हो जाता है लोगो को इसका पता ही नहीं चलता है इसलिए आज दिनांक 31-05-2025 को विश्व तम्बाकू दिवस पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह प्राधिकार के अध्यक्ष श्री राज कुमार ने यह भी संदेश दिया कि प्रत्येक व्यक्ति को तम्बाकू का निषेद्य करना चाहिए जिससे कि शारीरिक दुष्प्रभाव से बचा जा सके साथ ही साथ अनेक प्रकार की बीमारियों से सभी व्यक्ति का बचाव हो सके। एक बार तम्बाकू के गिरफ्त में आने के उपरान्त अगर वह व्यक्ति कोई बीमारी से ग्रसित हो जाता तो उस व्यक्ति का पूरा परिवार विखर जाता है। तम्बाकू का सेवन करने वाले लोगो का रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी कमजोर हो जाती है जिसका प्रभाव सीधे उनके स्वास्थ्य प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों से यह अपील भी किया गया कि अपना दायित्व समझकर कम से कम प्रत्येक लोग 50 लोगो को तम्बाकू से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में प्रेरित करें, और आपके प्रयास से कुछ लोगो पर भी इसका साकारात्मक प्रभाव पड़ता है और इससे प्रेरित होकर तम्बाकू एवं तम्बाकू से बने पदार्थो का निषेध करते हैं तो आपके द्वारा किये गये प्रयास किसी की जिन्दगी को हमेषा के लिए बदलकर खुषहाली की ओर ले जायेगा। इस शपथ कार्यक्रम में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम श्री इसरार अहमद उपस्थित जन समूह के समक्ष ही तम्बाकू को निषेध करन हेतु शपथ कार्यक्रम में उपस्थित लोगो को प्रेरित किया। इस अवसर पर जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्री विश्व विभूति गुप्ता, लक्ष्मीकान्त मिश्रा, निशित दयाल, कन्हैया लाल यादव, आनन्द भूषण, पंकज पाण्डेय, मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी श्री लाल बिहारी पासवान, अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी श्री प्रदीप चन्द्रा, न्यायिक दण्डाधिकारी श्री राजीव कुमार, शोभित सौरभ, शुभान्कर शुक्ला सहित अन्य न्यायिक पदाधिकारी उपस्थित रहें। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के प्रभारी सचिव डा0 दीवान फहन खान ने उपस्थित लोगों के साथ-साथ अपने सभी कर्मियों को तम्बाकू के दुष्प्रभाव के बारे में अवगत कराया तथा तम्बाकू का सेवन नहीं करेंगें और लोग भी तम्बाकू का सेवन न करें इसके लिए उन्हें प्रेरित करने तथा इसके सेवन से होने वाले शारीरिक दुष्प्रभाव और नुकसान के बारे में लोगों को जागरूक करने तथा तम्बाकू रहित समाज एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण में अपना योगदान देने से सम्बन्धित शपथ दिलाया गया। इस अवसर पर प्रजापिता प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय, औरंगाबाद के दिनेश भाई, प्रीति बहन, रामानुज भाई, करण भाई ने भी नशामुक्त समाज के लिए व्यक्ति द्वारा किये जाने वाले इच्छाशक्ति की चर्चा करते हुए कहा कि आप सोच लेंगें तो किसी प्रकार की नशा को छोड़ना मुश्किल नहीं है। उनके द्वारा कई चित्र के माध्यम से इसके दुष्प्रभाव से लोगो को अवगत कराया गया। इस पर प्रीति बहन द्वारा गया गया गीत कि भारत फिर भरपुर बढेगा कोई नहीं कमी होगी, हिरो से अकाश भरा होगा मोती से जमीं होगी को खुब सराहा गया।

नव गठित विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति की बैठक में विद्यालय के विकास पर की गई चर्चा

जमालपुर। ज्योति युगल सरस्वती शिशु मंदिर फुलका के तत्वावधान में नवगठित विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के नव मनोनीत सचिव सुनील कुमार एवं संचालन विद्यालय के प्रधानाचार्य दिनेश कुमार ने किया। बैठक के आरंभ में नव गठित विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के पदाधिकारियों तथा सदस्यों का परिचय विद्यालय के आचार्य समूह से कराया गया। परिचयात्मक सत्र में सचिव सुनील कुमार एवं उपाध्यक्ष दीनानाथ साव ने कहा कि विद्यालय की शैक्षणिक तथा गैर शैक्षणिक गतिविधियों को सुचारू तौर पर संपन्न कराने की दिशा में प्रधानाचार्य व आचार्यगणों को सहयोग प्रदान करने हेतु विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति का गठन किया जाता है। सह सचिव महेश प्रसाद तथा कोषाध्यक्ष शशांक कुमार घोष ने कहा कि विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों पर प्रबंधकारिणी समिति हमेशा निगरानी बनाए रखती है। साथ ही, विद्यालय की क्रियाकलाप को आगे बढ़ाने में समिति अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस दौरान समिति के नव मनोनीत पदाधिकारियों व सदस्यों ने वित्तीय वर्ष 2025-26 को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा किया। साथ ही, नए छात्रों के नामांकन को लेकर योजनाएं बनाई। मौके पर समिति सदस्य राहुल कुमार, पवन कुमार चौधरी, मनीषा देवी, अभिभावक प्रतिनिधि आदित्य कुमार, मोनिका कुमारी, आचार्य प्रतिनिधि पुष्पेंद्र भारती, प्रतिभा प्रवांचना, कविता कुमारी, अनिता कुमारी, मनीषा रानी, मनोज मंडल मौजूद थे।

आयकर विभाग ने आईटीआर-1, आईटीआर-4 के लिए एक्सेल सुविधा उपलब्ध कराई

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने आकलन वर्ष 2025-26 में आईटीआर-1 और आईटीआर-4 के लिए एक्सेल यूटिलिटी फॉर्म को उपलब्ध करा दिया है। आयकर दाता अब इस फॉर्म का इस्तेमाल कर वित्त वर्ष 2024-25 में अर्जित आय के लिए अपना आयकर रिटर्न आईटीआर दाखिल करना शुरू कर सकेंगे।आयकर विभाग ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में कहा कि उसने आकलन वर्ष 2025-26 के लिए आईटीआर-1 और आईटीआर-4 के लिए एक्सेल सुविधा उपलब्ध करा दी है, जिससे करदाता अपना आयकर रिटर्न दाखिल कर सकेंगे। इन सुविधाओं को उपलब्ध कराने के साथ ही करदाता वित्त वर्ष 2024-25 में अर्जित आय के लिए अपना आईटीआर दाखिल करना शुरू कर सकते हैं। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने इसी हफ्ते इस साल आईटीआर-1 और आईटीआर-4 में आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई से बढ़ा कर 15 सितंबर कर दी है। आईटीआर-1 और आईटीआर-4 फॉर्म ऐसे व्यक्ति, एचयूएफ और संस्थाएं भरते हैं, जिनकी सालाना आय 50 लाख रुपये तक है, जिन्हें अपने खातों का ऑडिट नहीं करवाना पड़ता।उल्लेखनीय है कि करदाता सूचीबद्ध शेयर से 1.25 लाख रुपये तक के दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ पाने वाले आय को आईटीआर-1 और आईटीआर-4 में दिखा सकते हैं। इससे पहले उन्हें आईटीआर-2 फार्म भी भरना पड़ता था।

एनपीएस ग्राहक 30 जून तक कर सकते हैं यूपीएस के अतिरिक्त लाभ का दावा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के सेवानिवृत्त नेशनल पेंशन स्कीम (एनपीएस) ग्राहक जो न्यूनतम 10 वर्ष की अर्हक सेवा सहित सेवानिवृत्त हुए हैं, वे एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) के तहत अतिरिक्त लाभ का दावा कर सकते हैं। यह यूपीएस लाभ पहले से दावा किए गए एनपीएस लाभों के अतिरिक्त होंगे। वित्त मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि केंद्र सरकार के एनपीएस ग्राहक जो 31 मार्च, 2025 या उससे पहले न्यूनतम 10 वर्ष की अर्हक सेवा के साथ सेवानिवृत्त हुए हैं, वे 30 जून, 2025 तक पहले से दावा किए गए एनपीएस लाभों के अलावा एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) के तहत अतिरिक्त लाभों का दावा कर सकते हैं। इस फॉर्म को निम्न www.npscra.nsdl.co.in/ups.php से डाउनलोड किया जा सकता है। ऑनलाइन फॉर्म भरने के लिए www.npscra.nsdl.co.in/ups.php पर आप जा सकते हैं। केंद्र सरकार की ये नई स्कीम उन कानूनी रूप से विवाहित जीवनसाथियों पर भी लागू होती है जिनके पति या पत्नी, जो एनपीएस के लाभार्थी थे, अब इस दुनिया में नहीं हैं। इस योजना के तहत लाभ प्राप्त करने की अंतिम तारीख 30 जून 2025 निर्धारित है।

ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर वॉकी-टॉकी सहित रेडियो उपकरणों की बिक्री पर रोक

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर वॉकी-टॉकी सहित रेडियो उपकरणों की अवैध लिस्टिंग और बिक्री पर रोक लगा दी है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने ई-कॉमर्स साइटों पर रेडियो उपकरणों की अवैध बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए मानदंड जारी किए हैं। सीसीपीए ने ऐसे उपकरणों की 16,970 लिस्टिंग की जांच के बाद ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को नोटिस जारी किए है। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने कहा कि गृह मंत्रालय और दूरसंचार विभाग के साथ अंतर-मंत्रालयी परामर्श के बाद इस दिशा-निर्देशों को अंतिम रूप दिया गया है। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर वॉकी-टॉकी सहित रेडियो उपकरणों की अवैध लिस्टिंग और बिक्री की रोकथाम और विनियमन के लिए दिशा-निर्देश, 2025 का उद्देश्य उन वायरलेस उपकरणों की अनधिकृत बिक्री पर अंकुश लगाना है, जो उपभोक्ता सुरक्षा के लिए जोखिम पैदा कर सकते हैं।

कमजोर ग्लोबल संकेतों के कारण शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

नई दिल्ली। कमजोर ग्लोबल संकेतों के कारण घरेलू शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में थोड़ी तेजी भी आई, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.22 प्रतिशत और निफ्टी 0.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान पीएसयू बैंक और कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। दूसरी ओर, मेटल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और आईटी सेक्टर के शेयरों में जम कर बिकवाली होती रही। इसके अलावा ऑटोमोबाइल, ऑयल एंड गैस, एफएमसीजी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, फार्मास्यूटिकल और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.39 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसके विपरीत स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.17 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं से भरी दुनिया में 'भारत' वैश्विक स्तर पर सबसे भरोसेमंद साझेदार : केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं से भरी दुनिया में 'भारत' वैश्विक स्तर पर सबसे भरोसेमंद साझेदार बना हुआ है। उन्होंने इस भरोसे का श्रेय राजनीतिक स्थिरता, दूरदर्शी नेतृत्व, सांस्कृतिक मूल्यों और सस्टेनेबल भविष्य के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दिया। राष्ट्रीय राजधानी में सीआईआई 'एनुअल बिजनेस समिट 2025' में केंद्रीय मंत्री ने भारत की जलवायु नीति संरचना के बारे में बताया, जिसमें तीन प्रमुख चालकों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

उन्होंने बताया, 'भारत लीनियर से एक सर्कुलर इकोनॉमी मॉडल में बदल रहा है, जिसका लक्ष्य अपशिष्ट को कम करना और संसाधन दक्षता को बढ़ाना है। सरकार ने रीसाइक्लिंग और सस्टेनेबल उपभोग को बढ़ावा देने के लिए टायर, बैटरी, प्लास्टिक और ई-कचरे सहित विभिन्न क्षेत्रों के लिए एक्सटेंडेड प्रोड्यूसर

रिस्पॉन्सिबिलिटी (ईपीआर) दिशानिर्देश पेश किए हैं। 2022 और 2024 के बीच, रीसाइक्लिंग सेक्टर ने कुल 10,000 करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित किया, जो सस्टेनेबल प्रैक्टिस के प्रति उद्योग की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

अनुमान है कि 2050 तक सर्कुलर इकोनॉमी सेक्टर का मूल्य 2 ट्रिलियन डॉलर हो जाएगा, जिससे लगभग 10 मिलियन नौकरियों के अवसर पैदा होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने 'मिशन लाइफ' (पर्यावरण के लिए जीवनशैली) और राष्ट्रव्यापी अभियान 'एक पेड़ मां के नाम' शुरू किया है, जो पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से एक समुदाय-संचालित पहल है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'मिशन लाइफ के तहत ग्रीन क्रेडिट नियमों की शुरूआत पर्यावरण संरक्षण की दिशा में स्वैच्छिक कार्यों को प्रोत्साहित करती है, जिससे सस्टेनेबिलिटी के कल्चर को बढ़ावा मिलता है।' सरकार ने जलवायु वित्त वर्गीकरण का ड्राफ्ट फ्रेमवर्क जारी किया है। उन्होंने बताया कि जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) को प्रस्तुत की जाने वाली पहली राष्ट्रीय अनुकूलन योजना का विकास, अनुकूलन क्षमता को बढ़ाने, ज्ञान प्रणालियों को मजबूत करने और जलवायु जोखिमों को कम करने पर केंद्रित है। केंद्रीय मंत्री ने उद्योग जगत के नेताओं से आत्मनिर्भर सर्कुलर अर्थव्यवस्था के निर्माण में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया।

उन्होंने उन्हें नॉलेज शेयरिंग और सस्टेनेबल प्रैक्टिस को सुविधाजनक बनाने के लिए एक सहयोगी मंच के रूप में भारत की जी20 प्रेसीडेंसी के तहत शुरू किए गए 'संसाधन दक्षता और सर्कुलर अर्थव्यवस्था उद्योग गठबंधन' में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने एडीबी अध्यक्ष मसातो कांडा से मुलाकात की, एडीबी के समर्थन और निवेश पर चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय आवास एवं शहरी मामले तथा ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के अध्यक्ष मसातो कांडा से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने भारतीय शहरीकरण में एडीबी के निरंतर समर्थन और निवेश पर चर्चा की। विद्युत मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने श्रम शक्ति भवन में एशियाई विकास बैंक के अध्यक्ष मसातो कांडा से मुलाकात की।

इस दौरान उन्होंने भारत की शहरी विकास पहलों के लिए एडीबी के निरंतर समर्थन पर चर्चा की। मंत्रालय के मुताबिक इस बैठक में भारत के शहरी परिवर्तन को गति देने के लिए सहयोग को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया, जो कि विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप है। दोनों पक्षों ने देशभर में समावेशी, टिकाऊ तथा तकनीकी रूप से नवीन शहरी समाधानों को आगे बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया।केंद्रीय मंत्री ने केंद्रीय बजट 2025-26 में उल्लिखित प्राथमिकताओं के अनुरूप ज्ञान ढांचे को विकसित करने में एडीबी के सहयोग की सराहना की। इसके अलावा उन्होंने एडीबी द्वारा प्रदर्शन परियोजनाओं की शुरुआत करने में रुचि व्यक्त की, जो भविष्य के शहरी विकास के लिए प्रकाश स्तंभ मॉडल के रूप में काम कर सकती है।एशियाई विकास बैंक के अध्यक्ष मसातो कांडा ने रैपिड रेल ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) में भारत की प्रगति की सराहना की। इसके अलावा उन्होंने जमीनी स्तर पर नवाचार और प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए एकीकृत नियोजन और निजी क्षेत्र की भागीदारी की आवश्यकता पर जोर दिया।

इंडियाएआई मिशन के तहत जीपीयू की संख्या बढ़कर 34,000 से अधिक हुई, एआई इकोसिस्टम को मिलेगा बढ़ावा: अश्विनी वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली।इंडियाएआई मिशन ने दूसरे दौर में लगभग 16,000 अतिरिक्त ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) को सूचीबद्ध किया गया है, जिससे मिशन के तहत उपलब्ध जीपीयू की संख्या बढ़कर 34,300 से अधिक हो गई है। इससे देश के एआई इकोसिस्टम को बढ़ाने में मदद मिलेगी। यह जानकारी केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी। केंद्रीय मंत्री ने इंडियाएआई मिशन के कार्यक्रम में कहा कि बीते डेढ़ साल में हमने काफी प्रगति की है। हमने जीपीयू सूचीबद्ध करने का दूसरा चरण पूरा कर लिया है और तीसरा चरण भी जल्द पूरा होगा और उसके बाद काफी सारे जीपीयू और जुड़ेंगे। उन्होंने आगे कहा, यह बहुत महत्वपूर्ण है कि तकनीक को कुछ लोगों के हाथों में न छोड़ा जाए। समाज के एक बड़े वर्ग की तकनीक तक पहुंच होनी चाहिए, उन्हें नए समाधान विकसित करने में सक्षम होना चाहिए और बेहतर अवसर मिलने चाहिए। यही वह उद्देश्य है जिसके साथ इंडिया एआई मिशन की

शुरुआत की गई थी। मार्च 2024 में 10,372 करोड़ रुपए के बजट के साथ लॉन्च किए गए इंडियाएआई मिशन का लक्ष्य सात प्रमुख स्तंभों के माध्यम से एक मजबूत और समावेशी एआई इकोसिस्टम का निर्माण करना है। इसके सात स्तंभों में स्केलेबल जीपीयू आधारित कंप्यूट इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वदेशी फाउंडेशनल मॉडल डेवलपमेंट, गुणवत्तापूर्ण डेटासेट तक पहुंच, सेक्टर विशिष्ट एआई एप्लीकेशन, एआई लैब के माध्यम से अपस्किलिंग, डीप-टेक स्टार्टअप के लिए फंडिंग और नैतिक, जिम्मेदार एआई प्रोजेक्ट के लिए मजबूत सुरक्षा उपाय शामिल हैं। इस कार्यक्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत, इंडियाएआई मिशन ने 'इंडियाएआई स्टार्टअप्स ग्लोबल इनिशिएटिव' के लिए 10 स्टार्टअप को चुने जाने की घोषणा भी है।

चौथी तिमाही में 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी भारतीय अर्थव्यवस्था

एजेंसी

नई दिल्ली।जनवरी-मार्च तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ने के बल पर वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था ने 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करते हुये दुनिया की 'सबसे तेजी से बढ़ने वाली' अर्थव्यवस्था का तमगा बरकरार रखा, लेकिन यह वृद्धि दर चार वर्ष में सबसे कम है। केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी जीडीपी के आंकड़ों के अनुसार अंतिम तिमाही जनवरी-मार्च में जीडीपी उम्मीद से बेहतर 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी, जो पिछली तीन तिमाहियों से अधिक है। वित्त वर्ष 2023-24 की अंतिम तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 8.4 प्रतिशत रही थी। दिसंबर में समाप्त तीसरी तिमाही के जीडीपी के आंकड़ों को संशोधित कर 6.4 प्रतिशत कर दिया गया है। मार्च 2025 में समाप्त तिमाही में नॉमिनल जीडीपी वृद्धि दर 10.8 रहने का अनुमान लगाया गया है। एनएसओ के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में वास्तविक जीडीपी में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। वित्त वर्ष 2024-25 में नॉमिनल जीडीपी में 9.8 प्रतिशत की वृद्धि दर देखी गई है। वित्त वर्ष 2024-25 के वास्तविक जीडीपी के आंकड़े पिछले चार वर्ष में हालांकि सबसे कम है। वित्त वर्ष 2021-22 में यह वृद्धि दर 9.7 प्रतिशत, 2022-23 में 7.6 प्रतिशत और 2023-24 में 9.2 प्रतिशत रही थी। वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के दौरान निर्माण क्षेत्र में 10.8 प्रतिशत की वृद्धि दर देखी गई है। इसके बाद 'लोक प्रशासन, रक्षा और अन्य सेवाओं' क्षेत्र में 8.7 प्रतिशत की वृद्धि दर और 'वित्तीय, रियल एस्टेट और व्यावसायिक सेवाओं' क्षेत्र में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर देखी गई है। वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में वास्तविक जीडीपी या स्थिर कीमतों पर जीडीपी 51.35 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है जो वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही के 47.82 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 7.4 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में नॉमिनल जीडीपी या मौजूदा कीमतों पर जीडीपी 88.18 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है जो 2023-24 की चौथी तिमाही के 79.61 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 10.8 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में वास्तविक जीवीए 45.76 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है जो वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही के 42.86 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 6.8 प्रतिशत अधिक है।

ग्लोबल रियल टाइम पेमेंट में भारत की 47 प्रतिशत भागीदारी, यूपीआई का दायरा वैश्विक स्तर पर बढ़ा : सिंधिया

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने जोर देकर कहा कि कुल डिजिटल लेन-देन का लगभग 47 प्रतिशत भारत से होता है और यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) का दायरा अब वैश्विक स्तर पर बढ़ रहा है। इसके अलावा, भारत आज टेक्नोलॉजी और दूरसंचार क्षेत्र में क्रांति का नेतृत्व कर रहा है। केंद्रीय मंत्री ने सीआईआई के 'एनुअल बिजनेस समिट 2025' में उदाहरण देते हुए बताया, 'भारत को डिजिटल-फर्स्ट इकोनॉमी के रूप में देखा जाता है और वर्तमान में दूरसंचार क्रांति चल रही है। स्केलेबिलिटी ने संचार की लागत को कम कर दिया है, जो वर्तमान में दुनिया में सबसे कम है। देश ने

दूरसंचार में 'आत्मनिर्भरता' हासिल की है और टेक्नोलॉजी स्टैक का निर्माण करने वाले चार देशों में से एक है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि टेक्नोलॉजी पोस्टल डिपार्टमेंट को भी बदल रही है और पोस्टल सिस्टम में नई सेवाएं शुरू की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत का दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरना एक सराहनीय उपलब्धि है। केंद्रीय मंत्री ने भारत की प्रगति के केंद्र बिंदु के रूप में पूर्वोत्तर के महत्व को भी रेखांकित किया, जहां दशकीय विकास दर 12-13 प्रतिशत से अधिक है। उन्होंने कहा, 'देश के 8 राज्य विकसित भारत की महत्वाकांक्षा को आगे बढ़ाने वाले इंजन के रूप में उभरेंगे। सीआईआई के अध्यक्ष संजीव पुरी ने 'राइजिंग नॉर्थ-ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट 2025' से 4.3 लाख करोड़ रुपए के निवेश में रुचि दिखाने के लिए केंद्रीय मंत्री को बधाई देते हुए कहा कि पूर्वोत्तर भारत दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए रणनीतिक प्रवेश द्वार के रूप में बदल रहा है, जो व्यापार, कनेक्टिविटी और विकसित भारत के लिए हमारी महत्वाकांक्षा को शक्ति प्रदान कर रहा है।हाल ही में हुए राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट 2025 में केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र वैश्विक साझेदारी और आपसी हितों के केंद्र के रूप में उभरा है। उन्होंने पिछले दिनों, दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए भारत के रणनीतिक प्रवेश द्वार के रूप में पूर्वोत्तर क्षेत्र की बढ़ती महत्ता को लेकर एक आर्टिकल भी लिखा था।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 6.99 अरब डॉलर बढ़कर 692.72 अरब डॉलर पर पहुंचा

एजेंसी

नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 23 मई को समाप्त हफ्ते में 6.99 अरब डॉलर बढ़ कर 692.72 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है।रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि 23 मई को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 6.99 अरब डॉलर बढ़ कर 692.72 अरब डॉलर रहा है। इससे पिछले हफ्ते देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.89 अरब डॉलर घट कर 685.73 अरब डॉलर रह गया था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक 23 मई को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 45.16 लाख डॉलर बढ़ कर 586.17 अरब डॉलर हो गईं। स्वर्ण भंडार का मूल्य 2.37 अरब डॉलर बढ़ कर 83.58 अरब डॉलर हो गया। इसके अलावा विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 8.1 करोड़ डॉलर बढ़ कर 18.57 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार भी

तीन करोड़ डॉलर बढ़ कर 4.40 अरब डॉलर हो गया। उल्लेखनीय है कि सितंबर, 2024 के अंत में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 704.88 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

34 गीगावाट सौर क्षमता स्थापित करके राजस्थान की पूरे देश में सर्वाधिक अक्षय ऊर्जा क्षमता : ऊर्जा मंत्री

एजेंसी

जयपुर। जयपुर में आयोजित रीकनेक्ट शिखर सम्मेलन-25 में मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि राजस्थान वर्तमान में स्थापित सौर क्षमता के मामले में भारत में सबसे आगे है, जिसमें 34 गीगावाट पहले से ही चालू है। राज्य में देश में सबसे अधिक अक्षय ऊर्जा क्षमता है, जिसमें सौर ऊर्जा में 142 गीगावाट और पवन ऊर्जा में 284 गीगावाट तक की क्षमता है, । ऊर्जा मंत्री ने कहा कि पिछले डेढ़ साल में ही हमने 10,772 मेगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता जोड़ी है। एकीकृत ऊर्जा नीति के तहत हमारा लक्ष्य 2030 तक 125 गीगावाट हासिल करना है। यह 500 गीगावाट के राष्ट्रीय लक्ष्य के अनुरूप है, जिसमें राजस्थान प्रमुख भूमिका निभा रहा है। राजस्थान भारत की अक्षय ऊर्जा क्रांति के केंद्र में है। आज, देश भर के निवेशक सौर और अन्य स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्रों में अवसरों के लिए राजस्थान की ओर देख रहे हैं। पिछले डेढ़ साल में, हमारी सरकार ने सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए हरसंभव कदम उठाए हैं - जिसमें एक समर्पित ऊर्जा नीति शुरू करना भी शामिल है। उन्होंने आगे कहा, हमारे सीमावर्ती क्षेत्रों में प्रचुर मात्रा में भूमि है, हमने भूमि आवंटन नीति को सरल बनाया है ताकि निवेशक आ सकें, निवेश कर सकें और राजस्थान के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा कर सकें। इससे हमें अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने और भविष्य में अन्य राज्यों को बिजली देने में मदद मिलेगी। वे जयपुर, राजस्थान के क्लार्क्स आमेर होटल में एनर्जेटिका इंडिया पत्रिका द्वारा आयोजित रीकनेक्ट शिखर सम्मेलन-25, जयपुर में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। ऊर्जा मंत्री ने राजस्थान को बैटरी ऊर्जा भंडारण के लिए राष्ट्रीय केंद्र बनाने की योजना का भी अनावरण किया, जिसका लक्ष्य केंद्र सरकार के सहयोग से 5,000 मेगावाट भंडारण क्षमता हासिल करना है। उन्होंने कहा, हमारे मुख्यमंत्री इस पर चर्चा करने के लिए दिल्ली गए हुए हैं। उन्होंने निवेशकों से ग्रिड स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सौर प्रतिष्ठानों के साथ कम से कम 25-30 प्रतिशत बैटरी भंडारण को एकीकृत करने का आग्रह किया। नागर ने घोषणा की कि राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा द्वारा घोषित रूफटॉप सोलर सिस्टम द्वारा संचालित राज्य की महत्वाकांक्षी 150 यूनिट मुफ्त बिजली योजना बहुत जल्द शुरू होने जा रही है। नागर ने कहा कि हमारा लक्ष्य 33,000 रुपये की केंद्रीय सब्सिडी और 17,000 रुपये की अतिरिक्त राज्य सब्सिडी के साथ 1.1 किलोवाट की छत पर सौर प्रणाली स्थापित करना है। इस छत पर सौर योजना से राज्य की क्षमता में 4,000-5,000 मेगावाट की वृद्धि होने की उम्मीद है। शिखर सम्मेलन में सौर पीवी विनिर्माण, ऊर्जा भंडारण अपनाने, कृषि को सौर ऊर्जा से जोड़ने, विनियामक सुधार और वाणिज्यिक, औद्योगिक और आवासीय छत विकास पर चर्चा हुई।

खाद्य पदार्थों के लेबलिंग और प्रचार में '100 प्रतिशत' के दावे का उपयोग न करें एफबीओ: एफएसएसएआई

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने खाद्य पदार्थों की लेबलिंग में 100 प्रतिशत शब्द के उपयोग के खिलाफ सख्त निर्देश जारी किया है। निर्देश के मुताबिक 100 प्रतिशत शब्द के उपयोग को उपभोक्ताओं के लिए गुमराह करने वाला बताया है। शीर्ष खाद्य नियामक ने सभी खाद्य व्यवसाय संचालकों (एफबीओ) से मौजूदा नियामक प्रावधानों के तहत इसकी अस्पष्टता और गलत व्याख्या की आशंका के कारण खाद्य लेबल, पैकेजिंग और प्रचार सामग्री पर इस शब्द का उपयोग करने से परहेज करने को कहा है। जारी सलाह में, एफएसएसएआई ने खाद्य उत्पाद लेबल और प्रचार प्लेटफार्मों पर 100 प्रतिशत शब्द के उपयोग में उल्लेखनीय बढ़ोतरी पर प्रकाश डाला। प्राधिकरण ने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह की शब्दावली न केवल वर्तमान नियमों के तहत अपरिभाषित है, बल्कि भ्रामक भी है और उपभोक्ताओं के बीच एक गलत धारणा पैदा करने की आशंका है। खाद्य सुरक्षा और मानक (विज्ञापन और दावे) विनियम, 2018 के अनुसार, 100 प्रतिशत शब्द को एफएसएस अधिनियम, 2006, या उसके तहत बनाए गए नियमों और विनियमों में किसी भी तरह से परिभाषित या संदर्भित नहीं किया गया है। इसके अलावा, उपरोक्त विनियमों का उप-विनियम 10(7) किसी भी विज्ञापन या दावे को स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित करता है जो प्रतिस्पर्धी उत्पादों को बदनाम करता है या उपभोक्ताओं को गुमराह करता है। उप-विनियम 4(1) यह अनिवार्य करता है कि सभी दावे सत्य, अस्पष्ट सार्थक और भ्रामक नहीं होने चाहिए, यह सुनिश्चित करते हुए कि उपभोक्ता जानकारी को सही ढंग से समझ और व्याख्या कर सकें। 100 प्रतिशत शब्द का उपयोग - चाहे अकेले या अन्य विवरणकों के साथ संयुक्त रूप से - पूर्ण शुद्धता या श्रेष्ठता का एक गलत प्रभाव पैदा करने की संभावना है। यह उपभोक्ताओं को यह विश्वास करने के लिए गुमराह कर सकता है कि बाजार में अन्य तुलनीय उत्पाद नियामक मानकों के अनुरूप निम्न या गैर-अनुपालक हैं।

लंदन और एथेंस सहित 10 नए अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए सीधी उड़ानें शुरू करेगी इंडिगो

एजेंसी

नई दिल्ली। एयरलाइन इंडिगो चालू वित्त वर्ष 2025-26 में लंदन और एथेंस सहित 10 नए अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए सीधी उड़ानें शुरू करने को तैयार है। इस कदम से एयरलाइन का वैश्विक नेटवर्क सिर्फ एक साल में 40 से 50 अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों तक पहुंच जाएगा। एयरलाइन का लक्ष्य वित्त वर्ष 2024-25 में 100 से अधिक नए मार्गों के जरिए 40 अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों और 20 भारतीय शहरों को जोड़ना है, जिससे भारत की 90 फीसदी आबादी तक इसकी पहुंच और बढ़ जाएगी।

इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने एक बयान में कहा कि कंपनी के आगामी अंतरराष्ट्रीय विस्तार में एम्स्टर्डम (नीदरलैंड), मैनचेस्टर (यूके), कोपेनहेगन (डेनमार्क), सिएम रीप (कंबोडिया) और मध्य एशिया के चार गंतव्यों के लिए नए मार्ग शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय विमानन क्षेत्र में जबरदस्त अवसर हैं, जहां बढ़ती मांग के साथ-साथ तेजी से बुनियादी ढांचे का विकास भी हो रहा है। उन्होंने कहा कि जुलाई से इंडिगो मुंबई से मैनचेस्टर और एम्स्टर्डम के लिए लीज पर लिए गए बोइंग 787-9 विमानों का उपयोग करके सीधी उड़ानें शुरू करेगी।

झारखंड ने 16वें वित्त आयोग से मांगे 3 लाख 3 हजार करोड़, मंत्रियों और अधिकारियों ने पेश की रिपोर्ट

एजेंसी

रांची । झारखंड सरकार ने 16वें वित्त आयोग से राज्य के विकास के लिए कुल 3 लाख 3 हजार 527 करोड़ रुपए का ग्रांट मांगा है। राज्य के चार दिवसीय दौरे पर आई आयोग की टीम के समक्ष राज्य सरकार के मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों और प्रतिनिधियों ने विभिन्न क्षेत्रों में समेकित और समावेशी विकास के संभावित रोडमैप पर विस्तृत प्रेजेंटेशन दिया।

सरकार ने आयोग को बताया कि देश की आवश्यकताओं के लिए खनिज एवं प्राकृतिक संपदा संपन्न इस राज्य के संसाधनों का जितने बड़े पैमाने पर दोहन किया जाता है, उस अनुपात में उसे केंद्रीय अनुदान में हिस्सा अब तक नहीं मिल पाया है।

आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में राज्य सरकार की ओर से वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, उच्च शिक्षा, नगर विकास एवं पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, जल संसाधन मंत्री योगेंद्र प्रसाद एवं अन्य ने कहा कि झारखंड को विकास की दौड़ में आगे लाने के लिए इसे विशेष संरक्षण

और सहायता की जरूरत है। राज्य में चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं और सामाजिक, आर्थिक विकास के लिए उठाए जा रहे कदमों से भी आयोग को अवगत कराया गया।

आधिकारिक तौर पर उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, राज्य सरकार ने आधारभूत संरचना के विकास के लिए सबसे ज्यादा 2 लाख 1 हजार 772 करोड़ रुपए की मांग रखी है। इसके तहत सड़क, पुल, ग्रामीण विकास, परिवहन, शहरी विकास, ऊर्जा, उद्योग और पर्यटन आदि से संबंधित जरूरतों को रेखांकित किया गया है।

सामाजिक सेक्टर में विकास के लिए 44 हजार 447 करोड़, कृषि, वन एवं जल संसाधन के क्षेत्र के लिए 41 हजार 388 करोड़ और गृह, पंचायती राज, भूमि सुधार, राजस्व आदि क्षेत्र के लिए 17 हजार 918 करोड़ की मांगें आयोग के समक्ष रखी गई हैं।

बैठक के बाद मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि आयोग ने हमारे रोडमैप, राज्य की परिस्थितियों और जरूरतों के बारे में विस्तृत जानकारी ली है और हमारी मांगों के प्रति उनका रुख सकारात्मक है। आयोग ने संवैधानिक संस्था के रूप में समुचित कदम उठाने के प्रति हमें आश्वस्त किया है।

मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने बताया कि आयोग के समक्ष हमारी सरकार ने राज्य की विशिष्ट परिस्थितियों और जरूरतों के बारे में विस्तृत प्रतिवेदन रखा है। हम आयोग की ओर उम्मीद भरी निगाहों से देख रहे हैं। हमें विश्वास है कि झारखंड के प्रति पूरा न्याय होगा और हर क्षेत्र के विकास के लिए हमें हमारी मांग के अनुसार अनुदान प्राप्त होगा।

अनन्या पांडे

के भाई का बॉलीवुड डेब्यू, साथ में दिखेगी ये खूबसूरत एक्ट्रेस, फिल्म का टीजर आ गया

अपने चाचा चंकी पांडे और कजन अनन्या पांडे की राह पर चलते हुए अहान पांडे भी बॉलीवुड में एंट्री कर रहे हैं. वो एक रोमांटिक-म्यूजिकल फिल्म के साथ शुरुआत कर रहे हैं. फिल्म का निर्माण देश के सबसे बड़े प्रोडक्शन हाउस में से एक YRF ने किया है. पिक्चर का नाम है 'सैयारा'. 30 मई को मेकर्स ने एक टीजर वीडियो जारी करके फिल्म की झलक भी दिखा दी है.

इस फिल्म में अहान पांडे के साथ अनीत पड्डा नजर आने वाली हैं. बतौर लीड ये उनकी पहली फिल्म है. टीजर वीडियो की शुरुआत अनीत पड्डा की खूबसूरत आवाज से होती है. वो कहती हैं, मुझे तसल्ली दे दो जो, वो शब्द उधारा ढूंढ रहा है, एक सितार ढूंढ रहा है, दिल सैयारा ढूंढ रहा है.

यहां देखें अहान पंडे की पहली फिल्म का टीजर

टीजर में आगे अहान की झलक दिखाई जाती है. वो बाइक पर एंट्री करते हैं. आगे वो हाथ में गीटार लिए कहीं परफॉर्म करते नजर आ रहे हैं. वो काफी डैशिंग लग रहे हैं. उनके साथ अनीत पड्डा की केमिस्ट्री भी दिखाई जाती है. दोनों की जोड़ी काफी खूबसूरत लग रही है.

अनीत आगे सैयारा का मतलब बताती हैं. वो कहती हैं, सैयारा मतलब तारों में एक तन्हा तारा, खुद जलके जो रौशन करदे जगिया सारा, वो आवारा ढूंढ रहा है, दिल सैयारा ढूंढ रहा है. एक तरफ जहां इस फिल्म को ङ्क्रन्न ने बनाया है, तो वहीं इसकी एक और खास बात ये है कि इसे डायरेक्ट मोहित सुरी ने किया है, जो पहले 'आशिकी 2', 'एक विलेन' और 'राज' जैसी फिल्में बना चुके हैं.

कब रिलीज होगी 'सैयारा'?

'सैयारा' के टीजर में आपको मोहित सुरी की झलक साफ दिखेगी और एक पल के लिए ऐसा भी लगेगा कि ये फिल्म 'आशिकी 2' जैसा ही कुछ है. 18 जुलाई को ये पिक्चर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. इस टीजर को तो लोग पसंद कर रहे हैं. अब देखना होगा कि अहान इस फिल्म के जरिए कैसा कमाल दिखाते हैं. अहान चंकी पांडे के छोटे भाई चिक्की पांडे के बेटे हैं.

शोले के सेट पर

हेमा मालिनी

संग ऐसे टाइम बिताते थे धर्मेंद्र, लाइटमैन को गलती करने के लिए देते थे पैसे

बॉलीवुड के 'हीमैन' यानी कि धर्मेंद्र और 'ड्रीम गर्ल' हेमा मालिनी की जोड़ी रील लाइफ और रियल लाइफ दोनों ही जगह काफी पसंद की गई. दोनों ने कई फिल्मों में साथ काम किया था और इस दौरान दोनों एक दूसरे पर दिल हार बैठे. प्यार का रिश्ता साल 1980 में शादी तक पहुंच गया और आज उस बात को 45 साल बीत चुके हैं. धर्मेंद्र और हेमा ने साथ में 10-20 या 30 नहीं बल्कि 35 फिल्मों में काम किया और फिल्म दर फिल्म उनका प्यार परवान चढ़ते गया.

धर्मेंद्र और हेमा की कई फिल्मों ने बड़े पर्दे पर फैंस का दिल जीता. हालांकि दोनों की सबसे पसंदीदा फिल्म रही 'शोले'. ये भारतीय सिनेमा के इतिहास की भी सबसे कामयाब पिक्चर में से एक है. इसकी शूटिंग के दौरान धर्मेंद्र जान बूझकर उन सीन में देरी करते थे जिनमें उन्हें हेमा के साथ होना होता था. इसके लिए उन्होंने लाइटमैन को भी पटा रखा था. धर्मेंद्र ने लाइटमैन को गलतियां करने के लिए कहा था जिससे कि वो हेमा के साथ ज्यादा वक्त बिता सकें.

गलतियां करने के लिए लाइटमैन को देते थे पैसे

शोले 1975 में रिलीज हुई थी. इसमें धर्मेंद्र ने वीरू और हेमा ने बसंती नाम का किरदार निभाया था. दोनों की जोड़ी काफी पसंद की गई. इस ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर पिक्चर का हिस्सा अमिताभ बच्चन, जया बच्चन, अमजद खान, संजीव कुमार, सचिन पिलगांवकर, सत्येंद्र कपूर और ए के हंगल जैसे कलाकार भी थे.

शोले के सेट पर ही धर्मेंद्र और हेमा का प्यार परवान चढ़ा था. जब धर्मेंद्र और हेमा का साथ में कोई सीन होता था तो धर्मेंद्र लाइटमैन को गलतियां करने के लिए कहते थे. ऐसे में सीन बिगड़ जाता और उसे वापस से करना पड़ता था. ये धर्मेंद्र का हेमा के पास ज्यादा से ज्यादा वक्त बिताने का तरीका था. लेकिन बदले में वो लाइटमैन की जेब भी भरते थे.

दो बेटियों के पैरेंट्स हैं धर्मेंद्र-हेमा

धर्मेंद्र पहले से शादीशुदा थे. उनकी शादी 1954 में प्रकाश कौर से हो गई थी. दोनों के चार बच्चे दो बेटे और दो बेटियां भी थीं. हालांकि फिर भी धर्मेंद्र और हेमा को एक दूसरे से मुहब्बत हो गई. कई साल तक अफेयर चला और फिर 1980 में हेमा मालिनी, धर्मेंद्र की दूसरी दुल्हन बन गई. शादी के बाद दोनों के घर दो बेटियां ईशा देओल और अहाना देओल हुईं.

'दिल मिल गए' की डॉ रिद्धिमा बन छा गई थी ये एक्ट्रेस, जानें आज कल क्या कर रहीं हैं?

'दिल मिल गए' लगभग 3 साल स्टार वन चैनल पर चला था और इसमें अरमान-रिद्धिमा की जोड़ी फेमस हो गई थी. ये सीरियल डॉक्टर्स की लाइफ पर बेस्ड था जिसमें डॉ अरमान मलिक और डॉ रिद्धिमा गुप्ता की लव स्टोरी खासतौर पर दिखाई गई. पहले तो रिद्धिमा का रोल शिल्पा शिवानंद ने निभाया था, लेकिन बाद में ये रोल जेनिफर विंगेट ने निभाया था.जेनिफर विंगेट का ये सुपरहिट सीरियल था, हालांकि इसके अलावा भी उन्होंने कई हिट सीरियल में काम किया है. 30 मई 1985 को मुंबई में जन्मीं जेनिफर आज अपना 40वां बर्थडे मना रही हैं. इस मौके पर आइए उनके करियर पर एक नजर डालते हैं और आजकल जेनिफर क्या कर रही हैं, ये भी बताते हैं.

जेनिफर विंगेट का एक्टिंग करियर

जेनिफर विंगेट ने 1995 में रिलीज हुई आमिर खान और मनीषा कोईराला की फिल्म अकेले हम अकेले तुम से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट की थी. इसके बाद उन्होंने रानी मुखर्जी की डेब्यू फिल्म राजा की आएगी बारात (1997) में स्कूल किड का रोल प्ले किया था. 18 साल की उम्र में जेनिफर अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय की फिल्म कुछ ना कहो (2003) में भी अहम किरदारों में नजर आई थीं.

टीवी पर जेनिफर ने पहला सीरियल 'शाका लाका बूम-बूम' किया था और दूसरा सीरियल 'कसौटी जिंदगी की' था. ये दोनों ही सीरियल स्टार प्लस के सुपरहिट शोज थे. 2009 में जेनिफर विंगेट ने 'दिल मिल गए' ज्वाइन किया था और आखिर तक वो इस शो का हिस्सा रहीं. इसके बाद जेनिफर ने 'बेपनाह', 'सरस्वतीचंद्रा', 'बेहद', 'संगम' जैसे टीवी सीरियल किये जो हिट रहे.

आजकल क्या कर रही हैं जेनिफर विंगेट ?

'दिल मिल गए' करने के दौरान ही जेनिफर का अफेयर उस शो में डॉ अरमान मलिक का रोल प्ले करने वाले करण सिंह ग्रोवर के साथ शुरू हुआ था. 2012 में जेनिफर और करण ने शादी कर ली थी लेकिन 2014 में जेनिफर ने करण से तलाक ले लिया था. करण ने बॉलीवुड एक्ट्रेस बिपाशा बसु से 2016 में शादी कर ली थी जबकि जेनिफर अभी भी सिंगल लाइफ जी रही हैं. फिल्मों और टेलीविजन के अलावा उन्होंने ओटीटी पर भी काम शुरू कर दिया है.

तुम एक्ट्रेस नहीं बन सकती, जिस हीरोइन को डायरेक्टर ने कही थी ये बात, उसने बॉलीवुड के 5-5 कपूर संग किया काम

बॉलीवुड में हमेशा से ही देखा जाता रहा है कि कभी सेलेब्स को लुक्स तो कभी रंगत के चलते डायरेक्टर-प्रोड्यूसर रिजेक्ट कर देते हैं. लेकिन, ऐसे कई सेलेब्स हैं जिन्हें फिल्ममकेर्स ने कम आंका और बाद में वो फिल्म इंडस्ट्री का बड़ा नाम बन गए. दिग्गज एक्ट्रेस हेमा मालिनी को भी छोटी उम्र में एक डायरेक्टर ने अपनी फिल्म से बाहर कर दिया था.हेमा मालिनी किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं. बॉलीवुड में सालों तक राज करने वाली हेमा अब भाजपा की सांसद हैं. 16 अक्टूबर 1948 को तमिलनाडु के तिरुच्चिराप्पल्ली में जन्मी हेमा ने महज 14 साल की छोटी सी उम्र में तमिल फिल्म 'इंधु साथियम' में छोटी सी भूमिका के जरिए अपनी शुरुआत कर दी थी.

फिल्म से निकाल दिया था

14 साल की उम्र में हेमा मालिनी काफी दुबली पतली हुआ करती थी और ऐसे में उन्हें एक डायरेक्टर ने अपनी फिल्म से निकाल दिया था. तमिल डायरेक्टर सीवी श्रीधर ने हेमा को अपनी एक फिल्म के लिए कास्ट किया था. लेकिन, बाद मे उन्होंने ये कहते हुए एक्ट्रेस को बाहर कर दिया कि तुम बहुत दुबली-पतली हो और एक्ट्रेस नहीं बन सकती. बताया जाता है कि फिल्म से बाहर होने के बाद हेमा डिप्रेशन में चली गई थीं. हालांकि उन्होंने हार नहीं मानी.

बड़े नाम के साथ किया काम

बॉलीवुड में आने से पहले हेमा मालिनी ने साउथ फिल्म इंडस्ट्री में कई छोटे मोटे किरदार निभाए थे. हिंदी सिनेमा में उनकी शुरुआत 1968 की फिल्म 'सपनों का सौदागर' से हुई थी. इस पिक्चर में उन्होंने दिग्गज एक्टर-डायरेक्टर राज कपूर के साथ काम किया था.

हेमा को अपनी फिल्म में लेने के दौरान ही राज कपूर ने ये साफ कह दिया था कि ये लड़की एक दिन बहुत आगे जाएगी.बॉलीवुड में हेमा को अपने करियर की शुरुआत में ही राज कपूर जैसी दिग्गज शख्सियत के साथ काम करने का मौका मिल गया था. इसके बाद हेमा ने अपने लंबे और सफल करियर में राज कपूर के परिवार के शम्मी कपूर, शशि कपूर, रणधीर कपूर और ऋषि पूर के साथ भी फिल्में कीं. वहीं कई दिग्गज एक्टर्स संग भी स्क्रीन शेयर की और 'ड्रीम गर्ल' कहलाईं.